Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 263 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 15 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

यूएस राजदूत की धमकी के बाद एक्शन में आए एनएसए डोभाल, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार को घुमा दिया फोन

नई दिल्ली। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा से वापस लौटे हैं, तब से अमेरिका कुछ नाराज होता नजर आ रहा है। दरअसल, पीएम मोदी के रूस यात्रा से अमेरिका काफी नाराज है। भारत में तैनात अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी का धमकी भरा लहजा भारत को कतई पसंद नहीं आया है। वहीं, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने भी चेताया था कि भारत का एक लंबे समय तक रूस पर भरोसा करना बिल्कुल सही नहीं है। दरअसल, गुरूवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में एरिक ने कहा था कि 'भारत-अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक व्यापक और गहरे हैं, लेकिन ये इतने गहरे भी नहीं हैं कि इन्हें हल्के में लिया जाए।' अमेरिकी राजनयिक के ये तीखे शब्द प्रधानमंत्री मोदी के रूस और ऑस्ट्रिया की दो देशों की यात्रा समाप्त करने के बाद दिल्ली पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद आई थी। हालांकि, अब भारत ने भी इस तीखे बोल पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहाकर अजित डोभाल ने शुक्रवार को जैक सुलिवन के साथ फोन पर बातचीत की।

लिव-इन में रहने के लिए करवाना होगा रजिस्ट्रेशन, माता-पिता को होगी पूरी जानकारी

देहरादून। उत्तराखंड के लिए बेहद खास रहा। सरकार की ओर से समान नागरिक संहिता की पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी गई है। देहरादून के राज्य अतिथि गृह एनेक्सी में समान नागरिक संहिता को लेकर पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता की पूरी रिपोर्ट शुक्रवार को सार्वजनिक कर दी गई है। आम लोगों के लिए शाम से यूसीसी की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध हो जाएगी, आम जनता अब इस रिपोर्ट को पढ़ सकती है। सरकार ने रिपोर्ट को पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उत्तराखंड सरकार ने इससे पहले रिपोर्ट के मुख्य अंश ही जारी किए थे। लेकिन, शुक्रवार शाम पूरी रिपोर्ट आम लोगों के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

चुनावी रैली में ट्रंप पर जानलेवा हमला-ओबामा, बिल क्लिंटन,जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने की निंदा

डोनाल्ड ट्रंप घायल हुए लेकिन उनकी हालत ठीक है-सहयोगी

शिकागो/संवाददाता

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पेनसिल्वेनिया में शनिवार को चुनावी रैली में एक युवक ने गोलियां चलाईं और एक गोली ट्रंप के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी, लेकिन उनकी हालत ठीक है. यह घटना मिल्वाकी में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' से दो दिन पहले हुई. इस सम्मेलन में ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा. ट्रंप ने पेनसिल्वेनिया के बटलर में रैली को संबोधित करना शुरू ही किया था कि गोलियां चलने लगीं. घटना की वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि गोलियां चलने के दौरान ट्रंप ने अपने दाहिने कान पर हाथ रख लिया. वहां अफरा-तफरी मच गई और इसी दौरान किसी ने जोर से कहा नीचे बैठो, नीचे बैठो. इसके बाद, सीक्रेट सिंवस के एजेंटों ने ट्रंप को बचाने के लिए उन्हें सुरक्षा घेरे में ले लिया. कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे. हमले के बाद, पूर्व राष्ट्रपति के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से से खून निकलने लगा, उन्हें तुरंत मंच से बाहर ले जाया गया. ट्रंप ने भीड़ की ओर मुट्ठी बांध कर हाथ हवा में लहराया और कहा कि हम मुकाबला करेंगे. इसके बाद, उन्हें कार में बिठाकर पिट्सबर्ग क्षेत्र के एक अस्पताल ले जाया गया.सुरक्षित स्थान पर ले जाए जाते वक्त ट्रंप ने कहा, मुझे मेरे जूते ले लेने दीजिए. गोलीबारी की इस घटना में रैली में मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल

हुए हैं. घटना की जांच हत्या के प्रयास मामले के तौर पर की जा रही है. 'सीक्रेट सिंवस' के एक सदस्य ने हमलावर को मार गिराया. ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान दल के प्रवक्ता ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ठीक हैं. संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने हमलावर की पहचान बेथेल पार्क के रहने वाले 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है. वह रिपब्लिकन के रूप में वोट करने के लिए पंजीकृत था. ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में घटना के संबंध में और अपनी हालत के बारे में विस्तार से जानकारी दी. पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, यकीन नहीं होता कि हमारे देश में ऐसी घटना हो सकती है. हमलावर मारा गया है लेकिन हम उसके बारे में कुछ नहीं जानते. मेरे दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में गोली लगी. सनसनाहट महसूस हुई और गोलियों की आवाज सुनकर मैं तुरंत समझ गया था कि कुछ गलत हुआ है. फिर तुरंत मुझे महसूस हुआ कि गोली मेरी त्वचा को छूकर निकली है. काफी खून निकल गया था, तब मुझे एहसास हुआ कि क्या कुछ हो रहा है. ईश्वर अमेरिका की रक्षा करें. एफबीआई के विशेष एजेंट एवं पिट्सबर्ग कार्यालय के प्रभारी केविन रोजेक ने संवाददाताओं से कहा कि यह हैरानी की बात है कि बंदूकधारी कई गोलियां चला पाने में कामयाब रहा. रोजेक ने कहा, आज शाम हमारे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला किया गया.

हमले में बचने के बाद ट्रंप ने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की

जानलेवा हमले में बाल-बाल बचने के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि देश के लोग अमेरिकी होने के नाते अपना असली चरित्र दिखाएं और मजबूत और दृढ़ बने रहें। ट्रंप पर रविवार को एक रैली के दौरान हमला हुआ, लेकिन गनीमत रही कि गोली ट्रंप का कान छूकर निकल गई। सीक्रेट सर्विस के जवानों ने हमलावर को मौके पर ही ढेर कर दिया। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि भगवान ही अकल्पनीय होने से रोक सकता है। इस समय सबसे अहम ये है कि हम एकजुट रहें और बुराई को जीतने न दें। ट्रंप ने लिखा कि 'हम डरेंगे नहीं और हालात का डटकर मुकाबला करेंगे।

भाजपा कार्यसमिति-कार्यकर्ता बैकफुट पर न आएं

योगी ने कहा- अति आत्मविश्वास की वजह से पहुंची चुनाव में चोट

लखनऊ/ एजेंसी

भाजपा की एक दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक आज लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के अंबेडकर सभागार में हुई। बैठक में पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित पार्टी के शीर्ष नेता इस बैठक में आए। इस मौके पर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विरोधी साजिश करने में सफल रहे। इन्हें हमने 2019 में नाकाम किया था। हमें सोशल मीडिया पर नजर रखनी होगी। हम

अपनी उपलब्धियों को मुद्दा नहीं बना पाए। साथ ही बैठक में कार्यकर्ताओं से कहा कि आपको किसी भी स्थिति में बैकफुट में आने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप लोगों ने ये साबित किया है। वोटों की शिफ्टिंग और अति आत्मविश्वास की वजह से कहीं न कहीं चोट जरूर पहुंची है लेकिन आप लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014, 2017, 2019 और 2022 में सफलता हासिल करके दिखाया है। योगी ने संबोधन में आगे कहा कि हमने अपने कार्यकर्ताओं की मदद से यूपी को माफिया मुक्त किया है। प्रदेस में सुरक्षित माहौल है। हमने 500 साल बाद राम मंदिर का निर्माण किया। पहले मोहर्रम में ताजिया के नाम पर घरों को तोड़ा जाता था, लेकिन अब किसी की मनमानी नहीं चलती। देश संकट में हैं। हमने जाति और मजहब के नाम पर कोई भेदभाव नहीं किया।न बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा आज की भी पार्टी है।

बिना ओटीपी या फोन कॉल के खाते से उड़ा लिए पैसे, साइबर शातिरों के नए तरीके से पुलिस भी हैरान

पूर्णियां। बिहार के पूर्णियां में साइबर ठगी का नया मामला सामने आया है। साइबर शातिरों ने बिना ओटीपी या फोन कॉल के पैसे गायब कर दिए हैं। आम तौर पर देखा जाता है कि साइबर ठगों को पैसे निकालने के लिए ओटीपी की जरूरत होती है। बैंक भी कहता है कि अपना ओटीपी शेयर नहीं करें। लेकिन अगर बिना ओटीपी के ही आपके खाते से पैसे गायब हो जाएं, तो इसे आप क्या कहेंगे। पूर्णियां में कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। जहां साइबर शातिरों ने बिना ओटीपी के बैंक खाते से पैसे गायब कर दिए। यह घटना 12 जुलाई, 2024 को सामने आई।

भाजपा पर युवाओं के भविष्य को तबाह करने का आरोप

चार वर्षों में एक भी परीक्षा नहीं करा पाई एनआरए-मल्लिकार्जुन

नयी दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने ''शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने'' का बीड़ा उठाया है। उन्होंने पूछा कि राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) ने पिछले चार वर्षों में एक भी परीक्षा क्यों आयोजित नहीं की है। खरगे की प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शनिवार को मुंबई में की गई उस टिप्पणी पर आई है, जिसमें उन्होंने जोर दिया था कि पिछले तीन से चार वर्षों में आठ करोड़ नई नौकरियों के सृजन ने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें

फैलाने वालों को ''चुप'' कर दिया है। खरगे ने 'एक्स' पर कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी, कल आप मुंबई में नौकरियां देने पर झूठ का मायाजाल बुन रहे थे। मैं आपको पुनः याद दिलाना चाहता हूं कि आपने एनआरए की घोषणा करते हुए क्या कहा था।'' उन्होंने कहा, ''अगस्त 2020 में आपने कहा था कि एनआरए करोड़ों युवाओं के लिए वरदान साबित होगी और सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से, यह कई परीक्षाओं को समाप्त कर देगा तथा कीमती समय के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत करेगा। इससे पारदर्शिता को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हमारे 3 सवाल हैं - एनआरए ने पिछले चार वर्षों से एक भी परीक्षा क्यों नहीं कराई? क्यों एनआरए को ?1,517.57 करोड़ का फंड मुहैया कराने के बावजूद, 4 वर्षों में अब तक केवल ?58 करोड़ खर्चा किया गया है?

मोदी सरकार का बड़ा फैसला

जम्मू के उपराज्यपाल को दी दिल्ली के एलजी जैसी पावर..

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में अब उपराज्यपाल की शक्तियां और ज्यादा बढ़ गई हैं। उन्हें अब दिल्ली के उपराज्यपाल जैसी शक्तियां दी गई हैं। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन किया। इस संशोधन के बाद अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल दिल्ली के एलजी की तरह अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग जैसे फैसले कर पाएंगे।

गृह मंत्रालय के फैसले के बाद अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल की प्रशासनिक भूमिका का दायरे बढ़ जाएगा। इस संशोधन के बाद उपराज्यपाल को अब पुलिस, कानून व्यवस्था, एआईएस से जुड़े मामलों में ज्यादा अधिकार होंगे। पहले, एआईएस से जुड़े मामलों (जिनमें वित्त विभाग की सहमति जरूरी होती थी) और उनके तबादलों और नियुक्तियों के लिए वित्त विभाग की मंजूरी जरूरी थी।

काकतीय विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में हादसा, कमरे की छत का हिस्सा टूटकर गिरा

हनुमाकोंडा। तेलंगाना के हनुमाकोंडा जिले में स्थित काकतीय विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में छत का कुछ हिस्सा टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। दुर्घटना काकतीय विश्वविद्यालय के पोथाना गर्ल्स हॉस्टल में घटी। शुक्रवार देर रात अचानक छत का कुछ हिस्सा भरभराकर कमरे में गिर गया। जिस समय ये घटना घटित हुई, उस समय हॉस्टल के कमरे में कोई मौजूद नहीं था। घटना की जानकारी मिलते ही रजिस्टरार मल्लारेड्डी ने पोथाना गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया। इस दौरान छात्राओं ने उनको घेर लिया और हॉस्टल के कमरों की हालत को लेकर नाराजगी जाहिर की।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए

मलेरिया,डायरिया,जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाएं : सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर/ संवाददाता

संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम और बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश स्वास्थ्य महकमा और संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए. उन्होंने कहा है कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में मलेरिया, डायरिया,जलजनित बीमारी सहित मौसमी बीमारियों की जानकारी मिलने पर त्वरित रूप से स्वास्थ्य अमला स्वास्थ्य शिविर लगाकर प्रभावितों का उपचार करना सुनिश्चित करें. साय ने निर्देश दिए है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि मलेरिया, डायरिया सहित मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं का पर्याप्त भण्डारण सुनिश्चित कर सूचना मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों को आवश्यक दवाओं के साथ त्वरित रूप से रवाना कर उपचार सुनिश्चित करे, जिससे संभावित जनहानि को बचाया जा सके.मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा गत दिवस कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखण्ड के सुदूर वनांचल

ग्राम चिल्फी, झलमला और तरेगांव जंगल, सोनवाही का भ्रमण कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली. उन्होंने ग्राम सोनवाही पहुंचकर ग्रामीणों सहित डायरिया पीड़ित परिवार के परिजनों से मुलाकात की और राज्य शासन से हर संभव दिलाने के लिए भरोसा दिलाया. उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम सोनवाही में गत दिवस हुई दो ग्रामीणों की आकस्मिक मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की. उन्होंने ग्राम सोनवाही के आदिवासी बालक छात्रावास में बनाएं गए अस्थाई स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और मरीजों से चर्चा की. उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने निर्देश दिए. उपमुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि वनांचल सहित मैदानी क्षेत्रों में मौसमी बीमारी, डायरिया, उल्टी दस्त और जलजनित बीमारियों का संक्रमण ना हो इसके लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने की जरूरत है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय कृषि और किसान कल्याण विभाग ने नाबार्ड के सहयोग से

मुंबई में प्री-लॉन्च स्टेकहोल्डर मीट में नैबवेंचर्स के तहत 750 करोड़ रुपये के 'एग्री श्योर' फंड की घोषणा की

- यह फंड रु. 25 करोड़ तक के परिवर्तनीय टिकट आकार वाले 85 स्टार्ट-अप की सहायता करेगा
- इस फंड में नाबार्ड और कृषि मंत्रालय से रु. 250 करोड़ और अन्य से रु. 250 करोड़ शामिल होंगे
- सतत कृषि और हरित समाधान हैकाथॉन का शुभारंभ किया गयो

मुंबई (एजेंसी)। 2024 कृषि और किसान कल्याण विभाग ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के साथ मिलकर स्टार्ट-अप्स और ग्रामीण उद्यमों के लिए कृषि कोष 'एग्रीश्योर' की घोषणा करने के लिए एक प्रीलॉन्च हितधारक बैठक आयोजित की। इस फंड की घोषणा नाबार्ड की सहायक कंपनी नैबवेंचर्स ने की है, जिसका प्रारंभिक कार्पस 750 करोड़ रुपये है, जिसमें नाबार्ड और कृषि मंत्रालय प्रत्येक से 250 करोड़ और अन्य संस्थानों से 250 करोड़ रुपये शामिल हैं। मुंबई में हुए इस कार्यक्रम में कृषि और किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव श्री अजीत कुमार साहू, नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के.वी., नाबार्ड के डीएमडी श्री गोवर्धन सिंह रावत और नाबार्ड के डीएमडी डॉ. अजय कुमार सूद मौजूद रहे। इस दूरदर्शी पहल का उद्देश्य कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवीन, प्रौद्योगिकी संचालित,

उच्च जोखिम और उच्च प्रभाव वाली गतिविधियों में निवेश को बढ़ावा देना है।

नाबार्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी नैबवेंचर्स द्वारा प्रबंधित, इस फंड को लगभग 85 कृषि स्टार्ट-अप की सहायता के लिए तैयार किया गया है, जिसमें से प्रत्येक का निवेश आकार इसकी अवधि के अंत तक रु. 25 करोड़ तक है। यह फंड सेक्टर-विशिष्ट, सेक्टर-एग्नोस्टिक और डेट अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) में निवेश के साथ-साथ स्टार्ट-अप को सीधे इक्विटी समर्थन के माध्यम से सहायता प्रदान करेगा। एग्री श्योर के फोकस क्षेत्रों में कृषि में अभिनव, प्रौद्योगिकी संचालित पहलों को बढ़ावा देना, कृषि उपज मूल्य श्रृंखला को बढ़ाना, नए ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र लिंकेज और अवसंरचना का निर्माण करना, रोजगार सृजन करना और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की सहायता करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस फंड का उद्देश्य किसानों के लिए आईटी-आधारित समाधानों और मशीनरी रेंटल सेवाओं के माध्यम से उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना है, जिससे कृषि क्षेत्र में सतत वृद्धि और विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव श्री ए.के. साहू ने क्रेडिट गैप को पाटने और मौजूदा ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने के लिए नवाचार लाने की आवश्यकता के विषय में बोलते हुए कहा, इस पहल का व्यापक उद्देश्य कृषि और ग्रामीण क्षेत्र के लिए संवेदनशील मुद्दों का समाधान करना है। अंतिम छोर तक संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हमें नवाचार और प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है। हमारे अधिकांश किसानों के पास छोटी-छोटी भूजोत है, इस पारिस्थितिकी तंत्र में हमें उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, यहीं पर प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हमें अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित मशीनीकरण हेतु एक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। एग्रीश्योर उस दिशा में एक बड़ी छलांग है। इस फंड की मदद से हमारा लक्ष्य स्टार्टअप को नवीन और टिकाऊ समाधान प्रदान करने में सहायता करना है।

एग्रीश्योर की घोषणा पर बोलते हुए नाबार्ड के चेयरमैन श्री शाजी के.वी. ने कहा, कृषि मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने के लिए कृषि का डिजिटलीकरण समय की मांग है क्योंकि विकास की अगली लहर नवाचार से आएगी। कृषि में फिनटेक नवाचार न्यूनतम खर्च के साथ अंतिम मील कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। किसान कृषि मूल्य की नींव हैं, और उन्हें बहुत बारीकी से संभालने और समाधान प्रदान करने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता नोडल शिक्षकों एवं सफाई कर्मियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं सुश्री सुरुचि सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशानुसार जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत चयनित 30 पंचायत के 50 स्कूलों के स्वच्छता नोडल शिक्षकों एवं सफाई कर्मियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत डोंगरगांव में जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में यूनिसेफएवं वर्ल्ड विजन इंडिया द्वारा आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में स्वच्छता संबंधित स्कूल के साफ सफाई से लेकर व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली (मिशन लाईफ), सफाई कर्मचारी की सुरक्षा, गरिमा एवं सम्मान के संबंध में विस्तार पूर्वक बसंत मारकंडे वर्ल्ड विजन इंडिया-यूनिसेफद्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, जिला मिशन समन्वय सतीश ब्यौहरे एवं विकासखंड से विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरएल पात्रे एवं विकासखंड स्तोत्र समन्वयक अरविंद रत्नाकर प्रतिभाग किया। साथ ही उपस्थित शिक्षकों एवं सफाई कर्मियों को स्वच्छता एवं दैनिक जीवन में स्वच्छता के आयाम को अपने एवं बच्चों में स्वच्छता अनुकूल व्यवहार लाने हेतु प्रेरित किया गया।

दुर्ग जिला कुंभकार समाज के वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए सांसद और विधायक

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बैकुंठ धाम नेवईभाठा में आयोजित दुर्ग ज़िला के कुंभकार समाज के वार्षिक अधिवेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में दुर्ग सांसद विजय बघेल, अध्यक्षता महेश भंवरे (अध्यक्ष दुर्ग जिला कुम्भकार समाज), विषेशअतिथि ललित चन्द्राकर (विधायक दुर्ग ग्रामीण), शत्रुघन धनकर (संवक प्रा.है.याम मं.वि.स. नेवई),भागवत बुंदेला (अप्ठव प्रा.बे. वाम मं.वि.स. नेवई मोव), राजमहंत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा (विधायक अहीवारा), रिसाली नगर निगम महापौर श्रीमति शशि सिन्हा, दुर्ग ज़िला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, पूर्व ज़िला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, ज़िला महामंत्री सुरेन्द्र कौशिक, सांसद प्रतिनिधी पप्पू चंद्राकर, रिसाली मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेंडे, महामंत्री राजू जांघेल, रिसाली नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र शेंडे, पार्षद नवीन ममता सिन्हा, तरुण प्रजापति (प्रदेश अध्यक्ष) कुंभकार समाज) हेमलाल कौशिक महामंत्री कुंभकार समाज, रगलीराम कुंभकार (अ.भा.प्र.महा संघ) मुरली कुम्भकर (अ.भा.प्र.मध्य संघ) बालम सिंह चक्रधारी(पूर्व अध्यक्ष माटीकला बोर्ड) सारिका मेहर (अ.भा.प्र.महा संघ) पंचराम कुम्भकार (पूर्व जिला अध्यक्ष दुर्ग) नेतराम निषाद, परमेश्वर देवदास (पार्षद वार्ड 33 नेवई)(पूर्व उपाध्यक्ष धागा सहकारी समिति महासंघ). राधे बारले (पद्?मश्री लोक कला पंथी नृत्य) गोविन्द चतुर्वेदी पार्षद 32 नेवई भाठा, चन्द्रप्रकाश सिंह केशव बन्छोर (सभापति न.पं. निगम रिसाली), सोनिया देवांगन (पार्षद) विनय नेताम (पार्षद) गजेंद्री कोठरी (पार्षद) श्रीमती रेखा देवी (पार्षद) अजीत चौधरी, अशपुरण विक्की सोनी, पुनम सपहा , अनुपम साहू , नरेन्द्र निर्मल शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकरने कहा कुंभकार समाज का हमारे समाजिक संस्कारों में महत्वपूर्ण योगदान है। कोई भी संस्कार, वैवाहिक कार्य एवम पारिवारिक कार्य इस समाज के योगदान बिना पूरा नहीं किया जा सकता है। मेहनतकश कुंभकार समाज का हमारे समाजिक कार्यों में योगदान युगों से चला आ रहा है इसके बावजूद भी आज कुंभकार समाज अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। विधायक ने कहा की इस प्रतिस्पर्धा के युग में कुंभकार समाज का व्यवसाय प्रभावित हुआ है पहले लोग मिट्टी के बर्तन का अधिक उपयोग करते थे । लेकिन आज आधुनिकता के दौर में स्टील , जर्मन, प्लास्टिक के बर्तन का उपयोग अधिक हो रहा है। इस सुन्दर वस्तुओं की बिक्री हाथो हाथ हो जाती हैं इस प्रतिस्पर्धा से कुंभकार समाज को टिकना होगा। प्रदेश में विष्णुदेव जी की सरकार समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रही हैं। इस अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा कुम्हार समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। मोहनजोदड़ो- हड़प्पा की खोदाई में मिले अवशेष कुंभकार समाज के गौरवशाली इतिहास का बखूबी बखान करते हैं। सृजन करने वाले कुम्हार समाज ही है। स्वालंबन का संदेश देनेवाला कोई समाज है तो वो कुंभकार समाज है जो मिट्टी से जुड़कर मिट्टी से स्व निर्मित वस्तु बना कर स्वयं का स्वरोजगार अपना कर अपना जीवन यापन करता है और स्वलंबी बनने के लिए प्रेरित करता है।

मतदाता अभिनंदन समारोह : भाजपा एक संस्कारी पार्टी, देवतुल्य जनता ने विकास एवं सुरक्षा का चुनाव किया - विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल

बसना(समय दर्शन)। केंद्र में फिर से सरकार बनने से भाजपाईयों ने मतदाताओं का सम्मान करने का निर्णय लिया है, इसी कड़ी में 14 जुलाई रविवार को नगर स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में बसना विधानसभा स्तरीय मतदाता अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। मतदाता अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल सम्मिलित हुए। सर्वप्रथम मां भारती,श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी एवं दीनदयाल उपाध्याय जी का तैल्यचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने मतदाताओं को संबोधित करते हुए विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनाव में भाजपा को चुनना ऐतिहासिक बताते हुए भाजपा सरकार के सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तार से बताते जन-जन को लाभ पहुंचाने की बात कही।

विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने मतदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि भाजपा एक संस्कारी पार्टी है, भाजपा में छोटे से छोटे और बड़े से बड़े कार्यकर्ताओं को एक समान सम्मान की नजर से देखा जाता है।

भाजपा एक पार्टी ही नहीं एक परिवार भी है, जिसमें बड़ों के प्रति आदर तो वहीं छोटों के लिए स्नेह होता है। उन्होंने आगे कहा कि आप सभी ने जिस प्रकार से विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनाव में भाजपा को चुन कर प्रदेश में श्री विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री एवं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाए हैं।हमारे क्षेत्र के आप सभी देवतुल्य जनता ने विकास एवं सुरक्षा का चुनाव किया। क्षेत्र की जनता के कार्य को प्राथमिकता से पूरे किए जाएंगे। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, विधानसभा संयोजक डॉ.एनके अग्रवाल, विधानसभा प्रभारी अमरजीत सिंह छाबड़ा, जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने सभा को संबोधित किया ।

इस अवसर पर प्राचीन कबीर कुटी तरेकेला महंत लखन मुनि,जिला अध्यक्ष संजय शर्मा,सतीश अग्रवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, स्वप्निल तिवारी,सभी मण्डल अध्यक्षगण अनिल अग्रवाल, माधव साव, हरप्रसाद पटेल, कृष्ण कुमार साहू, महामंत्री अभिमन्यु जायसवाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष मथामणी बढ़ाई,विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य वृंदावती पांडे, पूर्व जनपद अध्यक्ष सतपाल सिंह छाबड़ा, पूर्व अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष अखिलेश भोई, रामचंद्र अग्रवाल, भाजपा मण्डल महामंत्री गण, भाजपा पदाधिकारी, विधायक प्रतिनिधिगण, नगर पंचायत पार्षदगण,पत्रकार बंधुओं सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मतदातागण शामिल हुए।

थाना बसना पुलिस की कार्यवाही : अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर महासमुन्द पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी

08 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

बसना (समय दर्शन)। दिनांक 14/07/2024 को हमराह स्टाफ के पेट्रोलिंग एवं शराब, गांजा रेड कार्यवाही पर मय विवेचना कीट के रवाना हुआ था कि घटना स्थल पदमपुर रोड सीटी ग्राउण्ड के पास बसना में पहुंचकर पेट्रोलिंग करते स्टाफ के साथ रूके हुये थे कि इसी दौरान उडिसा पदमपुर की ओर से वाहन मोटर सायकल सुपर स्प्लेण्डर क्र0 ष्टत्र06 त्रक्र 7564 में आरोपीगण 1. भूषण साहू पिता किर्तीचन्द्र साहू उम्र 29 साल ग्राम जामपाली थाना झारबंद जिला बरगड उडिसा 2. श्रीमती जसमीनी साहू पति चन्द्रकुमार साहू उम्र 29 साल ग्राम जामपाली थाना झारबंद जिला बरगड उडिसा एक बोरी में गांजा लेकर बसना की ओर ओ रहे थे जो पुलिस को देखकर हडबडा कर रूक कर गाडी को मोड कर भागने का प्रयास किये जिन्हें मौके पर पुलिस स्टाफ पकडा गया मौके पर नारकोटिक एक्ट प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये आरोपीगणों के कब्जे से 1. एक सफेद प्लास्टिक बोरी के अंदर भरी अवैध मादक पदार्थ गांजा 08 किलो 100 ग्राम बोरी सहित कीमती 1,60,000 रूपये 02. परिवहन में प्रयुक्त मो0सा0 सुपर स्प्लेण्डर क्र0 ष्टत्र06 त्रक्र 7564 कीमती 40,000 रूपये 03. एक नग रेडमी कंपनी का टच स्क्रीन मोबाईल कीमती 5000/- रूपये जुमला किमती 2,05,000 रूपये को गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी का कृत्य अपराध सदर धारा 20(ख) नारकोटिक एक्ट का होना पाये जाने से आरोपी को दिनाक 14/07/2024 के 12-30 व 12-40 बजे विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दिया गया है। प्रकरण में आरोपी को ज्यूडिसियल रिमांड प्राप्त करने हेतु माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी

1. भूषण साहू पिता किर्तीचन्द्र साहू उम्र 29 साल ग्राम जामपाली थाना झारबंद जिला बरगड उडिसा
2. श्रीमती जसमीनी साहू पति चन्द्रकुमार साहू उम्र 29 साल ग्राम जामपाली थाना झारबंद जिला बरगड उडिसा

जप्त सामग्री

1. एक सफेद प्लास्टिक बोरी के अंदर भरी अवैध मादक पदार्थ गांजा 08 किलो 100 ग्राम बोरी सहित कीमती 1,60,000 रूपये
2. परिवहन में प्रयुक्त मो0सा0 सुपर स्प्लेण्डर क्र0 ष्टत्र06 त्रक्र7564 कीमती 40,000 रूपये
3. एक नग रेडमी कंपनी का टच स्क्रीन मोबाईल कीमती 5000/- रूपये जुमला किमती 2,05,000 रूपये

संपूर्ण कार्यवाही थाना बसना पुलिस द्वारा किया गया है।

विधायक चातुरी नंद के अल्टीमेटम का असर सागरपाली में जर्जर सड़क का मरम्मत शुरू

पीडब्ल्यूडी ऑफिस घेराव करने की दी थी विधायक नंद ने चेतावनी

शंकर लहरे/ सरायपाली(समय दर्शन)। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद की कड़ी फटकार के बाद पीडब्ल्यूडी के अधिकारी हरकत में आए और सागरपाली में गड्ढों में तब्दील हो चुके सड़क को पाटने का काम शुरू कर दिया है।

विधायक के शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी के द्वारा गड्ढों को भरने का काम कल शाम से ही शुरू हो गया है।

बता दें कि कल ही विधायक चातुरी नंद ने सागरपाली में अत्यंत ही जर्जर हो चुके सड़क का मरम्मत करने का निर्देश दिया था। विधायक नंद की इस पहल के लिए सागर पाली के सरपंच प्रतिनिधि मुन्ना अग्रवाल, चिंतामणि विशाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता घासिया सिदार, सरायपाली युवा कांग्रेस नेता अरमान हुसैन, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष भीष्मदेव पटेल, फारम पटेल, गिरवर वारे, जयंत यादव समेत ग्रामीणों ने उनका आभार व्यक्त किया है।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर आयुक्त ने ली कर्मचारियों की बैठक, प्रत्येक जोन व वार्ड के अनुसार निगरानी हेतु नियुक्त

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों को जिम्मेदारी दी गई

दुर्ग। नगर पालिक निगम।स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को लेकर नगर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई.उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों को जिम्मेदारी दी गई।बैठक के समय उन्होंने कहा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना सभी की अहम जिम्मेदारी है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा शाम को निगम अपने कक्ष में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की तैयारी समीक्षा बैठक में आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता एप के माध्यम से हर रोज बड़ी संख्या में शिकायत आ रही है।ऐसे स्थिति में सफाई दरोगा व सुपरवाइजर अपने-अपने वार्डों की शिकायतों को जल्द निदान करें। स्वच्छता को लेकर जागरूकता और सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने करेंगे।इसके बाद इन शिकायतों को समय पर निदान व सफाई कराने की जिम्मेदारी निगम स्वास्थ्य शाखा के कर्मचारियों व अधिकारियों को भी निभानी होगी।बैठक के दौरान स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए तय पाइंट टू पाइंट आयामों पर चर्चा की गई।बैठक में दिए गए निर्देश को भी आयुक्त ने बताया कि सफाई व्यवस्था को और अधिक कारगार बनाना है। इसी तरह सीटी व पीटी में बेहतर व्यवस्था, लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के साथ सूखा व गीला कचरा अलग-अलग देने जागरूक करने, बल्क जनरेटरर्स को अपने ही संस्थान में गीला कचरा का उपयोग खाद् बनाने के लिए प्रेरित करने, स्वच्छता के लिए विभिन्न स्पर्धा के लिए बनाए गए संबंधित बातों पर चर्चा की गई। इस दौरान आयुक्त द्वारा दिए गए कार्यों व जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।इसे समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना सभी की अहम जिम्मेदारी है।उन्होंने सभी वार्डो के लिए अधिकारी नियुक्त किये,उन्होंने कहा कि अधिकृत अधिकारी अपने अपने वार्डों में किये जा रहें सफाई कार्यो का मॉनिटरिंग करेंगे।निर्धारित सफाई कर्मचारी नियमित उपस्थित होकर सफाई कर रहें है कि नहीं, उनका उपस्थित पंजी की जांच भी करेंगें।प्रत्येक जोन व वार्ड के अनुसार निगरानी हेतु नियुक्त,हर घर से 100 प्रतिशत कचरा कलेक्शन हो रहा है कि नहीं। घरो व दुकानों से गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग हो रहा है कि नहीं।समय अनुसार एकत्रित कचरा डम्पर के माध्यम से एस.एल.आर.एम. सेंटर में जा रहा है कि नहीं, इत्यादि कार्यों का मॉनिटरिंग करेगें।

12 अगस्त को पाटन से निकलेगी भव्य बोल बम कांवर यात्रा, बोल बम के जयकारे से गूंजेगा पाटन

पाटन (समय दर्शन)। बोल बम कांवर यात्रा समिति की बैठक रविवार को रेस्ट हॉउस पाटन में बोल बम कांवर यात्रा के संयोजक जीतेंद्र वर्मा के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में कांवर यात्रा की तिथि और आगामी कार्ययोजना को लेकर कार्यक्रम तय की गई। इस वर्ष कांवर यात्रा का आयोजन 12 अगस्त को किया जाएगा।

कांवर यात्रा के संयोजक जितेंद्र वर्मा ने बताया कि इस वर्ष सर्वसम्मति से विभिन्न योजना बनाया गया है, कार्यक्रम को और भव्य बनाने के लिए सभी ने संकल्प लिया। बैठक में पाटन क्षेत्र के गांव-गांव से नागरिक आए हुए थे। विगत वर्ष कांवर यात्रा में पहुंचें श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इस बार भी व्यापक तैयारी की योजना बनाई गई है। इस वर्ष यात्रा को विगत वर्ष से और भी भव्य बनाया जाएगा।

जितेंद्र वर्मा संयोजक ने आगे कहा कि हर हर महादेव के जयघोष के साथ कांवर यात्रा का शुभारंभ सिद्देश्वर महादेव ओग्गर तालाब में रुद्राभिषेक के बाद ठाकुराइन टोला के लिए रवाना होगा। बोल बम कांवर यात्रा में विशाल जन सहभागिता हो इसके लिए सभी को गांव-गांव में प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी दी गई

हैं। बैठक में कांवर यात्रा को भव्य रुप देने व सफल आयोजन के लिए सभी से सुझाव प्राप्त कर रुपरेखा बनाई गयी।

बैठक में बोल बम कांवर यात्रा पाटन क्षेत्र के पदाधिकारी दिलीप साहू, योगेश निक्की भाले, नारद सेन, विनोद साहू, दामोदर चक्रधारी, लोकमणि चन्द्राकर, नेतराम निषाद, निशा सोनी,डेरहा वर्मा,केशव बंछोर, केवल देवांगन, सागर सोनी, कुणाल शर्मा, नोहर साहू, प्रवीण मढ़रिया, युवराज बया, वासु वर्मा, माधव वर्मा,राम वर्मा,मिलन देवांगन,पूणेंद्र सिन्हा,नीलेश वर्मा, जलज वर्मा, अनुपम साहू,संजू वर्मा,पुष्कर साहू,गोरेलाल श्रीवास,रोशन वर्मा,महेश लहरी,पालू साहू,गोकुल वर्मा,मनोज वर्मा,राजेन्द्र साहू,अमित वर्मा,कुणाल महिलांगे,गोपीचंद धरमगुड़ी,जीवन कोसरे,योगेश सोनी,रानी बंछोर,सीता देवांगन,चंद्रप्रकाश देवांगन,हरप्रसाद आडिल,द्रोण चन्द्राकर,मनेंद्र वैष्णव,अजय वैष्णव,डॉ. जीत्तु सहित पदाधिकारी, सदस्य व सैकड़ों शिवभक्त उपस्थित थे।१

सार समाचार

रेलवे स्टेशन में पार्किंग ठेकेदार के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही के फ़िराक ने रेलवे प्रशासन

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में हो रहे पार्किंग विवाद की खबरों से शायद ही कोई अनजान हो. ठेकेदार, ऑटो चालक, पार्किंग कर्मचारी और रेलवे के बीच आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है. ऐसे में मण्डल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पार्किंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर सकता है. सूत्रों की माने तो पार्किंग ठेकेदार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में रेलवे के अधिकारियों ने रूप रेखा तैयार करनी शुरू कर दी है. हालांकि इसके लिए आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है. रायपुर रेल मंडल के सूत्रों के मुताबिक पार्किंग को लेकर लगातार हो रही नोकझोक को देखते हुए रेलवे जल्द ही कोई कड़ा फैसला ले सकता है, जिससे रेलवे स्टेशन में विवादों पर लगाम लगाया जा सके. अवैध वसूली से लेकर पार्किंग ठेकेदार के कर्मचारियों की दादागिरी किस्से तो सभी को पता ही है, लेकिन अब रोजाना स्टेशन में सवारी की तलाश में पहुंचने वाले ऑटो चालकों में भी नई व्यवस्था को लेकर नाराज़गी देखी जा रही है.

जयसिंह के वर्षों का घर बनाने का सपना हुआ साकार

रायपुर(समय दर्शन)। अपने खुद के घर का सपना सभी देखते हैं। स्वयं का एक पक्का मकान हो, जिसमें वह परिवार के साथ सुख से जीवन यापन करें। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार में इस दिशा में बेहतर कार्य करते हुए सुकमा जिले में जरुरतमंदों के लिए पीएम आवास योजना के तहत पहली प्राथमिकता के साथ आवास निर्माण की स्वीकृति दी गई। इसके परिणामस्वरुप पूरे सुकमा जिले में तेजी से पीएम आवास योजना के तहत निर्माण कार्य जारी है। पीएम आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण के तहत हजारों लाभार्थियों को बकाया किश्त जारी होने के बाद अब अधिकांश लोगों का मकान पूर्ण हो गया है। सुकमा जिले के जनपद पंचायत छिन्दगढ़ के ग्राम पंचायत किन्दरवाड़ा निवासी लाभान्वित हितग्राही श्री जयसिंह उर्फ राजूराम ने बताया कि पहले अपने परिवार में पत्नी श्रीमती श्यामबती नाग और पुत्र अमित नाग के साथ पुराने कच्ची छत और मिट्टी की दीवार वाले झोपड़ी में रहते थे। जिसमें रहने के लिए परिवार के साथ काफी कठिनाई का सामना करना पडता था, कच्ची छत होने के कारण हमेशा बारिश के समय छत से पानी टपकने के कारण हम पूरे परिवार कई रात ठीक से सो भी नहीं पाते थे। उन्होंने बताया कि हमारी आय खेती एवं गांव में ही मजदूरी पर निर्भर है। सीमित आय होने के कारण आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि हम पक्का बना पाये।

उपमुख्यमंत्री ने ग्राम सोनवाही में 10 जुलाई को हुई दो ग्रामीणों की आकस्मिक मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

बैगा बाहुल्य गांवों में डायरिया, मलेरिया और मौसमी बीमारियों रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा कल शुक्रवार को कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम सोनवाही पहुंचकर ग्रामीणों सहित पीड़ित परिवार के परिजनों से मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम सोनवाही में 10 जुलाई को हुई दो ग्रामीणों की आकस्मिक मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने ग्राम सोनवाही के आदिवासी बालक छात्रावास में बनाए गए अस्थाई स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और उपचार कराने आए मरीजों से चर्चा की। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जिस तरह से प्रधानमंत्री जनमन योजना पर जिस तरह से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उस पर तेजी से कारवाई करते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उपमुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि वनांचल सहित मैदानी क्षेत्रों में मौसमी बीमारी,

डायरिया, उल्टी दस्त और जलजनित बीमारियों का संक्रमण न हो इसके लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने की जरूरत है। उन्होंने कलेक्टर को वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाने और और मलेरिया, डायरिया सहित मौसमी बीमारियों के बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सुदूर वनांचल क्षेत्र चिल्फी, झलमला और तरेगांव जंगल के शासकीय अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन डीएमएफसे शीघ्र क्रय करने के निर्देश दिए। उन्होंने वनांचल सभी गांवों में स्वास्थ्य शिविर, जल स्त्रोतो का क्लोनिशेन कराने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से पूरे घटना की विस्तृत जानकारी भी ली। कलेक्टर महोबे ने बताया कि ग्राम सोनवाही में 10 जुलाई को दो ग्रामीणों की मौत हुई है। पांच ग्रामीणों की मृत्यु होने की बात सामने आई थी। इस विषय पर बोड़ला एसडीएम और सीएमएचओ को जांच और घर-घर पहुंच कर सर्वे करने के निर्देश दिए गए थे। सोनवाही में जो पांच ग्रामीणों की मौत की खबर थी, वह अलग-अलग कारणों से और अलग-अलग जगह में हुई है। सभी का मृत्यु का कारण डायरिया या उल्टी-दस्त नहीं हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीएल राज ने बताया कि 10 जलाई को गांव में दो ग्रामीणों की मृत्यु होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पास के ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झलमला के चिकित्सक और स्वास्थ्य अमला 10 जुलाई को पहुंचकर गांव के आदिवासी बालक आश्रम छात्रावास में अस्थायी रूप से अस्पताल बनाया गया और वहां ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण का काम शुरू किया गया।

तीर्थ यात्रा पर गये फौजी परिवार के सूने मकान से 1 लाख के गहने पार

रायपुर(समय दर्शन)। अब शहरों में नहीं , ग्रामीण इलाकों में भी चोरों की धमक बढ़ गयी है । मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम टेकारी में तीर्थ यात्रा पर गये एक फौजी परिवार के सूने मकान का ताला तोड़ पुलिसिया मुल्याकन के अनुसार करीबन एक लाख रुपए कीमत के सोने - चांदी के गहने पार कर दिया गया है । यात्रा से लौटने के बाद चोरी की जानकारी मिलने व पतासाजी के असफल प्रयास के बाद मृत फौजी के पत्नी स्वर्गवासी किशन वर्मा की पत्नी विक्टोरिया द्वारा दर्ज करायी गयी प्रथम सूचना पत्र के अनुसार वह अपने अविवाहित पुत्र के साथ ग्राम टेकारी (कुंडा) में निवास करती है । बीते 2 जुलाई की शाम लगभग 4 बजे वह परिवार के साथ उज्जैन तीर्थ यात्रा करने निकली व 10 जुलाई को दोपहर जब अपने पुत्र पवन के साथ टेकारी वापस लौटी तब चोरी का पता चला । चारदीवारी के गेट का ताला तो यथावत लगा था पर कोई अज्ञात व्यक्ति दीवार फांद मुख्य द्वार का ताला तोड़ घुस अंदर के कमरों सहित आलमारी का ताला तोड़ आलमारी में रखे सोना - चांदी के विभिन्न गहनों सहित साड़ियां चोरी कर ले गया था । दर्ज रिपोर्ट के अनुसार सोने के गहनों में 3 तोला का एक जोड़ी कंगन , एक तोला का कान की खुटी, डेढ़ तोले का गले का चैन , एक फुल्ली , 4 गोल ?दाना , व 2 अंगूठी तथा चांदी के 35 तोले का 3 पैरी , साढ़े सत्रह तोले का 20 सिक्का व 2 बिछिया सहित 10 नग साड़ी की चोरी हुयी है । प्रथम सूचना पत्र दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है । इधर ग्राम में छुटपुट चोरी की घटनाये ?बढ गयी है जिसकी रिपोर्ट थाने में नहीं हो रही है । बीते 3 जुलाई को ही शाम 4 से 5 बजे के बीच अपने घर में अकेले निवास करने वाली भानुमती पुरैना पड़ोसी ग्राम कुंडा गयी थी तभी घर का ताला तोड़ 15 सौ रुपये व गैस का कार्ड कोई चोरी कर ले गया , दो आलमारियों का ताला भी तोड़ा गया है पर इसकी रिपोर्ट थाने में नहीं की गयी है । ग्राम में चर्चा होने पर जब ग्राम के निवासी किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेन्द्र शर्मा ने ग्रामीणों के साथ जा संपर्क साधा तो इसकी पुष्टि हुयी । इधर बीते 2-3 साल के भीतर हुयी चोरी के घटनाओं में से कुछ का रिपोर्ट होने के बाद भी आरोपियों को धर दबोचने में पुलिस प्रशासन को मिली असफलता से चोरियों को अंजाम देने वाले तत्वों के हौसले बुलंद है व ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना है । ग्रामीण अपने स्तर पर भी पतासाजी में जुटे हैं व पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि हर हाल में आरोपियों को धर दबोचने गंभीर प्रयास करें ।

कभी स्कूटी नहीं चला पाती थी पुष्पा, अब ड्रोन उड़ाकर खेतों में कर रही स्प्रे

पुष्पा के हौंसलों को मिली उड़ान, लखपति दीदी बनने का सपना हुआ साकार

रायपुर(समय दर्शन)। मजबूत इरादे और भरपूर आत्मविश्वास से ग्रामीण महिलाओं के लखपति दीदी बनने का सपना साकार हो रहा है। एक समय था जब मेरे लिए स्कूटी चलाना भी संभव नहीं था, घर के कामकाज तक ही सीमित थी, लेकिन मुझे ड्रोन चलाने के लिए चयन किया गया। यकीनन मेरे के लिए एक बड़ा अवसर था, मैने यह कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कोई काम कर पाउंगी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद

अब मैं ड्रोन चलाने के लिए प्रशिक्षित हो गई हूं। यह कहना है आरंग के ग्राम गुल्लू की पुष्पा यादव का। श्रीमती यादव कहती है कि गांवों के खेतों में फसलों के ऊपर ड्रोन चलाकर कीटनाशक का छिड़काव कर रही हूं। अप्रैल माह में 20 दिनों का ड्रोन पायलेट का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद श्रीमती यादव ने यह कार्य प्रारंभ किया है। वह कहती है कि प्रति एकड़ कीटनाशक के छिड़काव करने पर उन्हें 300 रूपए की आय होती है। विगत डेढ़ माह में ही वह 26 हजार रूपए की आय अर्जित कर चुकी है। वे कहती है कि केंद्र सरकार की योजना एन.आर.एल.एम बिहान की सदस्य हूं। साथ ही महिला किसान भी हूं। खेती-बाड़ी कार्य कर अपना जीवन यापन कर रही हूं। बिहान योजना इफ्को के सहयोग से ड्रोन पायलेट का सफल प्रशिक्षण के बाद ग्रामीण किसानों को सेवा प्रदाता के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हूं। वे कहती है कि स्वयं की खेती, पशुपालन, नरेगा मैट, ड्रोन पायलेट का कार्य कर सालभर में 1 लाख 50 हजार रूपए से अधिक कमा रही हूं।

छत्तीसगढ़ में कब से 500 रुपए में मिलेगा गैस सिलेंडर सीएम विष्णु देव साय ने बताया

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने वादा किया था कि हम 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। इसके साथ ही लोगों को अन्य भी गारंटी दी थी। अब गारंटी को पूरा करने का वक्त आ गया है। सरकार ने चुनाव के समय किए कुछ वादे को पूरा भी किया है। वहीं, सबसे अहम 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा था। चुनाव के छह महीने से अधिक बीत गए हैं। ऐसे में सस्ते सिलेंडर को लेकर लोगों की उम्मीदें बढ़ने लगी हैं। बुधवार को रायपुर में बीजेपी की कार्यसमिति हुई है। कार्यसमिति में सीएम विष्णु देव साय ने 500 रुपए में सिलेंडर को लेकर बड़े संकेत दिए हैं। बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में सीएम विष्णु देव साय ने बड़े संकेत दिए हैं। उन्होंने मीटिंग में बीजेपी कार्यकर्तों को संबोधित करते हुए कहा है कि हम छत्तीसगढ़ में जल्द ही लोगों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। हालांकि सीएम विष्णु देव साय ने इसे लेकर कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। इतना जरूर कह दिया है कि हम जल्द देंगे। ऐसे में अनुमान है कि सरकार इस साल ही गैस सिलेंडर देने की योजना शुरू कर सकती है। नई सरकार बनते ही राज्य की सरकार ने चुनाव से पहले महिलाओं से महतारी वंदन योजना की बात की थी। विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना शुरू हो गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने में 1000-1000 रुपए मिलते हैं। इसी तरह से सरकार ने तेंदुपत्ता संग्राहकों से जो वादे किए थे, उसे भी पूरा कर दिया है। ऐसे में सस्ते गैस सिलेंडर का वादा भी एक बड़ा वादा है। सीएम ने खुद ही इसे लेकर संकेत दे दिए हैं कि जल्द ही इसे हम देंगे तो लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। वहीं, मध्य प्रदेश की सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले ही लाडली बहनों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने की शुरुआत की है। सरकार लाडली बहनों और उज्जवला योजना की लाभुक महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देती है। इस योजना की राशि सरकार सब्सिडी के रूप में देती है।

15 इंटरसेप्टर वाहनों को सीएम विष्णु देव साय ने दिखाई हरी झंडी

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सिस्टम को हाईटेक कर हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने आज अपने आवास से 15 नए इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि सड़क पर चलते हुए यातायात नियमों का पालन सुरक्षित यात्रा की गारंटी देता है और इससे अन्य वाहन चालकों में भी सुरक्षा का भाव पैदा होता है। बढ़ते सड़क हादसों को देखते हुए हमें यातायात नियमों का पालन करने के लिए अधिक सचेत और गंभीर होने की आवश्यकता है। नियमों का पालन कर हम न केवल अपने बल्कि सहयात्रियों के अधिकारों का भी सम्मान करते हैं। इस मौके पर उन्होंने प्रदेशवासियों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद संतोष पाण्डेय, विधायक अनुज शर्मा और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा सही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वाहनों की उपयोगिता और तकनीकी विशेषताओं की जानकारी भी ली। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सड़क सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हर वर्ष हजारों लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं और कई लोगों में स्थाई दिव्यांगता आ जाती है। इस समस्या का समाधान समाज के सभी वर्गों के सहयोग से हो सकता है। यातायात नियमों का पालन कर वाहन चालक न केवल अपना व अपने परिवार बल्कि समाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के दौरान एक पीजीटी छात्र को नियुक्ति पत्र सौंपा.

आरडी तिवारी स्कूल अब पीएमयोजना में शामिल

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर शहर के आरडी तिवारी स्कूल को पीएम योजना में शामिल कर लिया गया है। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की सीमा में आने वाले इस स्कूल को केंद्र सरकार की योजना में शामिल करवाने में पूर्व कैबिनेट मंत्री और स्थानीय विधायक राजेश मूणत की अहम भूमिका रही है। मूणत ने बताया कि पीएम योजना में शामिल होने के बाद आरडी तिवारी स्कूल को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, स्मार्ट क्लासरूम और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस किया जाएगा, जो छात्रों के शिक्षा में सुधार लाएगा। मूणत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब भाजपा की सरकार है। डबल इंजन की सरकार होने का लाभ आमजनो को मिलना स्वाभाविक है। उन्होंने बताया कि प्रधान मंत्री स्कूल फार राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना के तहत आरडी तिवारी स्कूल समेत 52 अन्य स्कूलों को शामिल कर लिया गया है। समग्र शिक्षा के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने इन स्कूलों के नामों पर अंतिम मुहर लगा दी है। मूणत ने बताया कि पीएमयोजना के दायरे में आने वाले स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, वर्चुअल रियल्टी, रोबोटिक टेक्नोलाजी के साथ अध्ययन-अध्यापन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा इन स्कूलों को ग्रीन स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां सौर पावर की सुविधा होगी। इनडोर गेम सुविधा, कैरियर गाइडेंस, एक्सपोजर विजिट कराया जाएगा।

राम मंदिर में गूंजा नारा, छत्तीसगढ़ के भांचा राम, जय श्री राम, जय श्री राम

शुभ घड़ी आई, साय कैबिनेट ने अयोध्या धाम में किए श्रीरामलला के दर्शन

मुख्यमंत्री बोले आज जीवन का बड़ा दिन, हम सबका सौभाग्य कि रामलला के दर्शनों का पुण्य लाभ ले सके

उपहार में शबरी माता की भूमि शिवरीनारायण से बेर तथा जल, सीताफल विष्णु भोग का चावल अनारसा तथा करी लड्डू एवं कोसे के वस्त्र भेंट किए

रायपुर(समय दर्शन)। अयोध्या धाम में पवित्र राम जन्मभूमि में श्री रामलला के दर्शन के लिए जैसे ही मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनके कैबिनेट के सहयोगी पहुंचे। पूरे मंदिर परिसर में नारा गूंज उठा। छत्तीसगढ़ के भांचा राम, जय श्री राम, जय श्री राम। इस तरह पूरा परिसर राम भक्ति के माहौल में, ननिहाल से

आए भक्तों की स्नेह सिक्त वाणी से गुंजायमान हो गया। जिस तरह माता शबरी की शिवरीनारायण में भगवान श्री राम के पुण्य दर्शन की इच्छा पूरी हुई थी। वही साध ननिहाल के हर राम भक्त को होती है। उसी तरह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनकी कैबिनेट की भी रामलला के दर्शन की इच्छा आज पूरी हो गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित उनके कैबिनेट के सदस्यों ने आज अयोध्या धाम पहुंचकर श्रीरामलला के दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर भाँचा राम के ननिहाल का उपहार भी प्रभु के चरणों में अर्पित किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ से शबरी माता की भूमि शिवरीनारायण से बेर तथा पवित्र जल, विष्णु भोग का चावल, अनारसा, करी लड्डू तथा कोसे के वस्त्र प्रभु को अर्पित किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रभु श्री राम से छत्तीसगढ़ के लोगों की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग पूरी कैबिनेट के साथ श्री रामलला के दर्शन के लिए आज अयोध्या धाम आए। भगवान श्रीराम हमारे छत्तीसगढ़ के भांजे हैं। भांचा राम के दर्शन के लिए हम लोग बहुत उत्सुक थे। भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से वो शुभ घड़ी आ गई है जब हम लोगों को अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमने अयोध्या धाम जाने का निर्णय लिया तो सोचा कि जब अपने भांजे के दर्शन के लिए जाएंगे तो उनके लिए ननिहाल की तरफसे क्या उपहार लेकर जाएं। फिर विचार आया कि इससे अच्छा उपहार भगवान श्रीराम के लिए क्या हो सकता है कि हम उस पवित्र भूमि शिवरीनारायण से बेर ले जाकर भगवान को भेंट करें, जहां के बेर खुद माता शबरी ने प्रभु श्रीराम को अपने हाथों से खिलाये थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन जूठे बेरों का स्मरण हमेशा के लिए लोक स्मृति में दर्ज हो गया है। माता शबरी की इस धरती से भगवान श्रीराम के लिए यह उपहार ले जाने का हमें सौभाग्य मिला इससे बढ़कर हमें क्या चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय प्रदेश है। यहां माता शबरी और अनेक जनजातीय विभूतियों ने भगवान श्रीराम का स्वागत किया है। हमारी यह धरती धन्य है। यह अद्भुत संयोग है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल भी है और यह उनके वन गमन पथ का हिस्सा भी है। रामकथा से जुड़े विद्वान बताते हैं कि श्रीराम ने अपने वनवास के चौदह वर्षों में दस वर्ष यहीं गुजारे। उन्होंने रामायण के प्रसंगों से भी अपनी बात बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामायण के प्रसंग जनजातीय लोगों से श्रीराम के अद्भुत स्नेह तथा प्रभु श्रीराम के जनजातीय लोगों से अपार प्रेम की कहानी कहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि प्रदेश के मुखिया के रूप में अयोध्या पहुंच कर छत्तीसगढ़ के लोगों के अपने आराध्य के प्रति अगाध स्नेह और भक्ति व्यक्त करने का माध्यम बना हूँ। रामलला के दर्शनों से अभिभूत मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम ने हमें रामराज्य का आदर्श दिया है। छत्तीसगढ़ में रामराज्य के आदर्श को लेकर हम चल रहे हैं। श्रीरामलला का दर्शन कर हमने प्रभु से अपने प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या धाम श्रीरामलला दर्शन योजना के माध्यम से हमारे प्रदेश के बहुत से श्रद्धालु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ ले चुके हैं। उन सबसे श्रीरामलला के भव्य मंदिर और उनकी मंजुल मूर्ति की प्रशंसा सुनकर मन बहुत प्रसन्न होता था।

संपादकीय

एलएसी पर निरस्त्रीकरण आवश्यक

कजाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के शिखर सम्मेलन में भारत ने दृढ़ता के साथ एक बार फिर चीन को स्पष्ट कर दिया कि दोनों देशों के बीच स्थायी शांति के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निरस्त्रीकरण आवश्यक है। पिछले पांच वर्षो से एलएसी पर दोनों देशों के बीच गतिरोध बना हुआ है। इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष के साथ बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख में टकराव के स्थल से सेना को पीछे हटाया जाए जिससे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। पूर्वी लद्दाख में 2020 में चीनी सैनिकों की घुसपैठ और उसके बाद भारतीय सैनिकों के साथ हुई झड़पों के कारण एलएसी पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। जाहिर है कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। जयशंकर और वांग यी की बातचीत के बाद दोनों देशों की ओर से कहा गया कि वे लद्दाख की गलबान घाटी में सेनाओं की तैनाती की वापसी और द्विपीय संबंध सामान्य बनाने की दिशा में आने वाले गतिरोधों को दूर करने का प्रयास करेंगे। हालांकि यह समस्या बहुत छोटा करके देखने जैसे होगा कि दोनों देशों के विदेश मंत्री एक घंटे की बातचीत में कोई ऐसा चमत्कार कर देंगे कि सभी गतिरोध चुटकी बजाकर दूर हो जाएं। फिर भी इन दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात का विशेष महत्त्व है। जयशंकर और विशेषकर वांग यी ने यह तो स्वीकार किया ही है कि वर्तमान में दोनों देशों के बीच टकराव और तनाव की स्थिति नई दिल्ली और बीजिंग, दोनों के हित में नहीं है। पूर्वी लद्दाख में स्थित गलवान घाटी में चीन के दुस्साहस के कारण भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत अब चीन की धौंसपट्टी को नजरअंदाज कर हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन विरोधी रणनीति में शामिल है। लेकिन वह चीन विरोधी सैन्य संगठन में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है। इतना जरूर है कि यदि चीन लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में कोई नई सैनिक कार्रवाई करता है तो भारत इसका मुकाबला करने के लिए पश्चिमी देशों के साथ जुड़ सकता है। आशावादी दृष्टिकोण यही कहता है कि यदि चीन का शीर्ष नेतृत्व बुद्धिमत्ता का परिचय दे तो संबंधों को पटरी पर लाया जा सकता है।

कांग्रेस शासित राज्यों में मुसलामान पिछड़े क्यों हैं?

योगेंद्र योगी

देश में अल्पसंख्यकों के विकास के बजाए भावनात्मक मुद्दों पर बरगला कर उनके दोहन का खेल जारी है। राजनीतिक दल अल्पसंख्यकों को वोट बैंक की फसल से ज्यादा कुछ नहीं समझते। अल्पसंख्यकों का अधिक हितेषी साबित करने के लिए गैरभाजपा राजनीतिक दलों में कभी खत्म नहीं होने वाली चुनावी प्रतिस्पर्धा जारी है। इसका मंच चाहे चुनावी सभाएं हो या संसद के दोनों सदन। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का अल्पसंख्यक वोट बैंक को रिझाने के प्रयास में भाजपा पर देशभक्त अल्पसंख्यकों के खिलाफ भी हिंसा फैलाने का आरोप लगाया। राहुल ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ मुसलमानों के खिलाफऔर सिख लोगों के खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाते हैं। जबकि अल्पसंख्यक हर क्षेत्र में अपना योगदान देते हैं। अल्पसंख्यक देश के साथ पत्थर की तरह खड़े हैं, देशभक्त हैं और आप सबके खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अल्पसंख्यकों ने देश के साथ-साथ संविधान की भी रक्षा की है। राहुल गांधी का यह बयान महज एक चुनावी बयान से अधिक कुछ नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब अल्पसंख्यकों के वोट बैंक के लिए संसद के मंच का इस्तेमाल किया गया हो। चुनावी सभाएं हों या संसद, मौके-बेमौकों पर अल्पसंख्यक की हिमायत करने का कांग्रेस और दूसरे गैरभाजपा दल कोई मौका नहीं छोड़ते। अल्पसंख्यकों की पैरवी करने वाली कांग्रेस और राहुल गांधी ने यह खुलासा कभी नहीं किया कि आजादी के करीब 60 साल तक कांग्रेस का शासन केंद्र और ज्यादातर राज्यों में रहने के बावजूद अल्पसंख्यक बुनियादी सुविधाओं और देश की विकास की मुख्यधारा से दूर क्यों हैं।

अल्पसंख्यकों को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस ने कांग्रेसशासित राज्यों में उनकी भलाई के लिए कौन से प्रयास किए। इसके अलावा केंद्र और भाजपा शासित राज्यों में सरकारी योजनाओं में अल्पसंख्यकों से कौनसा भेदभाव किया गया है। इसका भी खुलासा कभी कांग्रेस ने नहीं किया है। यह सही है कि भाजपा ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों को पार्टी में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया, किन्तु यह भाजपा का आंतरिक मामला है। सरकारी स्तर पर भाजपा के मुसलमानों से भेदभाव का एक भी उदाहरण मौजूद नहीं है। जो योजनाएं देश या राज्यों के स्तर पर भाजपा सरकारों ने लागू कि उनमें सभी को पात्रता के आधार पर सुविधाएं दी गई हैं। जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर कोई अंतर नहीं रखा गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अनुसार साल 2014 से देश में पारसी, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले लगभग 5 करोड़ से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से खासकर मुस्लिम लड़कियों के स्कूल छोडने की संख्या कम हुई है। 2014 से पहले मुस्लिम लड़कियों में स्कूल छोडने की संख्या 70 प्रतिशत थी जो अब घटकर 30 प्रतिशत से भी कम हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा सीखो और कमाओ योजना शुरु की गई। इसी योजना के तहत इस साल यानी 2022 में लगभग 8 लाख महिला को लाभ पहुंचा है। वर्ष 2021-22 में देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में मुसलमानों का कुल नामांकन 21.1 लाख रहा, जबकि 2020-21 में यह आंकड़ा 19.22 लाख और 2014-15 में 15.34 लाख था, यानी 7 वर्षों में 37.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई लेकिन कोरोना के दौरान इसमें बड़ी गिरावट आई थी। सवाल यह है कि देश में ज्यादातर वक्त राज करने के बावजूद कांग्रेस शासित राज्यों में मुसलमानों की साक्षरता दर सौ प्रतिशत क्यों नहीं हो पाई। निजी और सरकारी क्षेत्र में रोजगार विकसित करने के लिए कांग्रेस का आंकड़ा सर्वोच्च क्यों नहीं रहा।

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा को लेकर भी कांग्रेस और दूसरे राजनीतिक दल उन्हें भयभीत करने का काम करते रहें हैं, ताकि उनके वोट पर अधिक हिस्सा बटोरा जा सके। भारत में 300,000 से अधिक सक्रिय मस्जिदें हैं, जो अधिकांश इस्लामिक देशों से अधिक है। जनसंख्या के मामले में भारत तीसरा सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश है। देश के किसी भी भाजपाशासित राज्य में एक भी मस्जिद को नहीं तोड़ा गया सिवाए बाबरी मस्जिद के, जिसका फैसला भी कानून के दायरे में हुआ। मथुरा में ईदगाह कृष्ण जन्मभूमि विवाद और वाराणासी में ज्ञानव्यापी विवाद अदालत में विचाराधीन है। जबकि पिछले दस वर्षों से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। इसके बावजूद किसी भी मस्जिद को नुकसान नहीं पहुंचाया गया।

मुसलमानों को देशभक्त बताने वाले राहुल गांधी और कांग्रेस ने इस पर भी कभी प्रतिक्रिया नहीं दी कि केंद्र में मोदी सरकार सरकार आने के बाद देश में आतंकियों द्वारा किए जाने वाले बम धमाके कैसे रुक गए। इन बम धमाकों के आरोपियों के लगभग सभी नाम मुस्लिम समुदाय से ही क्यों आए। इसके अलावा देश में होने वाले सांप्रदायिक दंगों पर लगाम कैसे लग गई। दस साल पहले तक उत्तर प्रदेश इन दंगों के लिए बदनाम था। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान होने वाले सांप्रदायिक दंगे योगी सरकार के आने के बाद कैसे रुक गए। सच्चाई यही है कि कांग्रेस और दूसरे राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को डर दिखा कर उन्हें पिछड़ा बनाए रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। जागरुकता के इस दौर में मुसलमान भी इस सच्चाई को काफी हद तक समझ गए हैं। भाजपा को चाहिए मुसलमानों को भी पर्याप्त राजनीतिक भागीदारी दे ताकि दूसरे दलों की अल्पसंख्यकों के नाम पर वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति पर अंकुश लगाया जा सके।

सोशल मीडिया पर बाबाओं का विवाद

विनीत नारायण

जब से सोशल मीडिया का प्रभाव तेजी से व्यापक हुआ है, तब से समाज का हर वर्ग यहां तक कि गृहणियां भी 24 घंटे सोशल मीडिया पर हर समय छाए रहते हैं। इसके दुष्परिणामों पर काफी ज्ञान उपलब्ध है। सलाह दी जाती है कि यदि आपको अपने परिवार या मित्रों से संबंध बनाए रखना है, अपना बौद्धिक विकास करना है और स्वस्थ और शांत जीवन जीना है तो आप सोशल मीडिया से दूर रहें या इसका प्रयोग सीमित मात्रा में करें। पर विडंबना देखिए कि समाज को संयत और सुखी जीवन जीने का और माया मोह से दूर रहने का दिन-रात उपदेश देने वाले संत और भागवताचार्य आजकल स्वयं ही सोशल मीडिया के जंजाल में कूद पड़े हैं। विशेषकर ब्रज में ये प्रवृत्ति तेजी से फैलती जा रही है। पिछले ही दिनों वृंदावन के विरक्त संत प्रेमानंद महाराज और प्रदीप मिश्रा के बीच सोशल मीडिया पर श्री राधा तत्व को लेकर भयंकर विवाद चला। ऐसे ही पिछले दिनों वृंदावन में नवस्थापित भगवताचार्य अनिरुद्धाचार्य के वक्तव्य भी विवादों में रहे। इसी बीच बरसाना के विरक्त संत श्री रमेश बाबा द्वारा लीला के मंचन में राधा स्वरूप धारण कर बालाकृष्ण से पैर दबवाने पर विवाद हुआ। ये सब ब्रज की विभूतियां हैं। हर एक के चाहने वाले भक्त लाखों-करोड़ों की संख्या में हैं। जैसे ही कोई विवाद पैदा होता है, इनका चेला समुदाय भी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय हो जाता है। ठीक वैसे ही राजनैतिक दलों की ट्रोल आर्मी, जो बात का बतंगड़ बनाने में मशहूर है, सक्रिय हो जाती है। यह सब सोशल मीडिया में अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है। अब प्रेमानंद जी वाले विवाद को ही लीजिए, कितने ही कम मशहूर भागवताचार्य भी इस विवाद में कूद पड़े जिनके फॉलोवर्स चार-पांच सौ ही थे पर जैसे ही वे इस विवाद में कूदे तो उनकी संख्या 20 हजार पार कर गई यानी बयानबाजी भी फायदे का सौदा है।

परंपरा से शास्त्र ज्ञान का आदान-प्रदान गुरुओं द्वारा निर्जन स्थलों पर किया जाता था जहां जिज्ञासु अपने प्रश्न लेकर जाता था और गुरु की सेवा कर ज्ञान प्राप्त करता था। यही पद्धति भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को बताई थी। भगवद् गीता के चौथे अध्याय का चौंतीसवां श्लोक इसी बात को स्पष्ट करता है। 'तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया। उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिन:।।4.34।।' परंतु सोशल मीडिया ने आकर ऐसी सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। अब धर्मगुरु चाहें न चाहें पर उनके शिष्य, उनके प्रवचनों का सोशल मीडिया पर प्रसारण करने को बेताब रहते हैं और फिर अलग-अलग गुरु ओं के शिष्य समूहों में आपसी प्रतिद्वंद्विता चलती है कि किस गुरु के कितने चेले या श्रोता हैं। जिस संत के फॉलोवर्स की संख्या लाखों में होती है उन पर टिप्पणी करना या उन्हें विवाद में घसीटना लाभ का सौदा माना जाता है क्योंकि वैसे तो ऐसा विवाद खड़ा करने वालों की कोई फॉलोइंग होती नहीं है। पर इस तरह उन्हें बहुत बड़ी तादाद में फॉलोवर और लोकप्रियता मिल जाती है।

मतलब यह कि आप में योग्यता है कि नहीं, पात्रता है कि नहीं, आपको उस विषय का ज्ञान है कि नहीं, इसका कोई संकोच नहीं किया जाता। केवल सस्ती लोकप्रियता पाने के लालच में बड़े बड़े संतों के साथ नाहक विवाद खड़ा किया जाता है। आजकल ऐसे विवादों की भरमार हो गई है। वैसे तो तकनीकी के हमले को कोई चाह कर भी नहीं रोक सकता। पर कभी-कभी इंसान को लगता है कि उसने भयंकर भूल कर दी। 2003 की बात है जब मैंने बरसाना (मथुरा) के विरक्त संत श्री रमेश बाबा के प्रवचन नियमित रूप से हर सप्ताह बरसाना जा कर सुनना शुरू किया, बाबा की भक्ति और सरलता ने मुझे बहुत प्रभावित किया और मुझे लगा कि बाबा के प्रवचन पूरी दुनिया के कृष्ण भक्तों तक पहुंचने चाहिए। तब ऐसा होना टीवी चैनल के माध्यम से ही संभव था क्योंकि तब तक सोशल मीडिया इतना लोकप्रिय नहीं हुआ था। मैंने इसके लिए प्रयास करके श्री मान मंदिर में टीवी रिकॉर्डिंग स्टूडियो की स्थापना कर दी। उस दौर में मान मंदिर के विरक्त साधुओं ने मेरा कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि बाबा की बात अगर इस तरह प्रसारित की जाएगी तो बरसाना में कलियुग का प्रवेश कोई रोक नहीं पाएगा पर बाबा ने मुझे अनुमति दी तो काम शुरू हो गया। इसका लाभ मान मंदिर को यह हुआ कि उसके भक्तों की संख्या में देश-विदेश में तेजी से बढ़ोतरी हुई और वहां धन की वष्रा होने लगी। तब मुझे विरोध करने वाले अव्यावहारिक प्रतीत होते थे। पर आज जब मैं पलट कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि वाकई इस प्रयोग ने मान मंदिर के पवित्र, शांत और निर्मल वातावरण को बहुत सारे झमेलों में फंसा दिया। वहां टीवी का प्रवेश न हुआ होता तो वहां का अनुभव पारलौकिक होता था जिसे अनुभव करने नीतीश कुमार, अर्जुन सिंह, सुषमा स्वराज, लालू यादव, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तक उस दौर में वहां गए और गद्गद् हो कर लौटे। हमने बात शुरू की थी सोशल मीडिया पर बाबाओं के संग्राम से और बात पहुंच गई अध्यात्म की एकांतिक अनुभूति से शुरू होकर उसके व्यावसायीकरण तक। इस आधुनिक तकनीकी ने जहां श्री राधा कृष्ण की भक्ति का और ब्रज की संस्कृति का दुनिया के कोने-कोने में प्रचार किया वहीं इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि आज वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, मथुरा आदि अपना सदियों से संचित आध्यात्मिक वैभव और नैसर्गिक सौंदर्य तेजी से समेटते जा रहे हैं। हर ओर बाजार शक्तियों ने हमला बोल दिया है। कहते हैं कि विज्ञान अगर हमारा सेवक बना रहे तो उससे बहुत लाभ होता है पर अगर वो हमारा स्वामी बन जाए तो उसके घातक परिणाम होते हैं। एक ब्रजवासी होने के नाते और संतों के प्रति श्रद्धा होने के नाते मेरा देश भर के संतों से विनम्र निवेदन है कि सोशल मीडिया के संग्राम से बचें और अपने अनुयायियों को होड़ में आगे आकर अपना बढ़ा-चढ़ा कर प्रचार करने से रोकें जिससे वे अपना ध्यान भजन साधन के अलावा तीर्थस्थलों के सौंदर्यीकरण और रखरखाव में लगा सकें ताकि तीर्थयात्रियों को ब्रज जैसे तीथरे में जाने पर सांस्कृतिक आघात न लगे, जो आज उन्हें लगने लगा है।

चमत्कारिक महिला अवतरित

हरिशंकर व्यास

इन दिनों इंटरनेट पर एक चमत्कारिक महिला अवतरित है। वह लोगों को 30-30 सेकेंड के टिप्स दे रही है, जिनसे उनकी समस्याएं चुटकियों में खत्म हो जाएगी। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे उसके कई वीडियोज में एक वीडियो में वह महिला बताती है कि जिनके खिलाफ मुकदमे चल रहे हैं वे अदालत में जाएं और वहां की कैंटीन से एक पेप्सी की बोतल खरीद कर सारी पेप्सी वहां के टॉयलेट में बहा दें और बोतल व ढक्कन साथ लेकर आ जाएं तो मुकदमे का फैसला उनके पक्ष में हो जाएगा। ऐसा लग रहा है कि निर्मल बाबा की सक्रियता कम होने से जो जगह खाली हुई है उसे भरने की प्रतिस्पर्धा में इस महिला ने बाजी मारी है। दो दो सिगरेट एक साथ पीने वाली एक दूसरी महिला, सिगार वाली माता भी इन दिनों सोशल मीडिया में धूम मचाए हुए हैं। एक तीसरी महिला लोगों के थोड़े से बाल काट कर उनकी सारी समस्याओं को खत्म करने का दावा करती है। उसका भी जलवा सोशल मीडिया में बहुत दिख रहा है। मंत्र पढ़ कर बीमारी ठीक करने वाले एक बाबा की भी इन दिनों बहुत चर्चा है। मतलब यह है कि जिन बाबाओं को जमीन पर स्पेस नहीं मिल रहा है उनके लिए इंटरनेट का स्पेस है, जहां उन्होंने लाखों, करोड़ भक्त बना लिए हैं। सवाल है कि 21वीं सदी में ऐसा क्या हुआ, जिससे अचानक ऐसे बाबाओं, साधुओं की बाढ़ आई और ऐसी क्या परिघटना हुई, जो अपने 33 करोड़ देवी देवताओं के होते हुए भी दुखिया हिंदू समाज के लोग इन बाबाओं की शरण में अपने लिए राहत खोजने में लगे है? इसके तीन स्पष्ट कारण हैं। पहला आधुनिक समय में लोगों की बढ़ती मुश्किलें और उनका समाधान नहीं होना। दूसरा, सांस्थायिक रूप से अंधविश्वास को बढ़ावा देना और तीसरा, हिंदू धर्म के अंदर इस्लाम और ईसाई धर्म के चमत्कार की बातों को स्वीकार करके उनके जैसा बनने की प्रवृत्ति। पहले और तीसरे कारण को एक साथ मिला कर अगर बारीकी से देखें तो ऐसे सारे बाबा चमत्कार दिखाने का वादा करके लोगों को भक्त बना रहे हैं। देश के 140 करोड़ लोगों में हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की समस्या से ग्रस्त है। मौजूदा व्यवस्था ने लोगों का जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है और लोगों को राजनीतिक, सामाजिक, प्रशासनिक और बहुत हद तक पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था से भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। तभी वह ऐसे चमत्कारिक बाबाओं की शरण में जाता है। बाबा उसको अपना बच्चा बताते हैं, उनकी समस्याओं को दूर करने का वादा करते हैं, उनको भावनात्मक सहारा देते हैं, जो दूसरी किसी व्यवस्था से उनको नहीं मिलता है। तभी लोग ऐसे बाबाओं को मुरीद हो जाते हैं। अपनी समस्या में कोई ठोस राहत नहीं मिलने के बावजूद वे बाबा के गुणगान करते रहते हैं। कुछ समय पहले तक इस तरह के चमत्कारिक काम ईसाई धर्मगुरू लोग करते दिखते थे। टेलीविजन चैनलों पर इनका प्रसारण होता था, जिसमें अपने का ईसा मसीह का दूत बताने वाले धर्म गुरू कथित तौर पर असाध्य रोगों से ग्रस्त लोगों को मंच पर बुलाते थे, कोई मंत्र बुदबुदाते थे, पवित्र जल उसके ऊपर छिड़कते थे और वह व्यक्ति ठीक हो जाता था। ध्यान रहे इस्लाम और ईसाइयत दोनों सांस्थायिक धर्म हैं, जिनकी एक संरचना है, एक सर्वोच्च धर्मगुरू होता है, एक सर्वोच्च किताब होती है, एक सर्वोच्च धर्मस्थल होता है लेकिन हिंदू धर्म में ऐसा नहीं है। इसमें करोड़ों देवी देवता हैं, लाखों धर्मगुरू हैं और हजारों धार्मिक किताबें हैं। क्षेत्र विशेष और जाति विशेष के हिसाब से लोगों के कुल देवता या कुल देवी हैं, जिनकी वे पूजा करते थे। लेकिन अब हिंदू धर्म के बाबा लोग भी टेलीविजन और सोशल मीडिया में मार्केटिंग-ब्रांडिग के व्यवसायी हठकंडों से चमत्कारों झांकी बनाकर घर-परिवारों में पैंठ रहे है। चमत्कार दिखाने का दावा करके भक्त बना रहे हैं।

अमेरिकी राजनीति में बूढ़ों की भरमार क्यों है? क्यों वहां युवा नेता आगे नहीं बढ़ पाते?

नीरज कुमार दुबे

इस साल अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। माना जा रहा है कि वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन का मुकाबला उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से होगा। लेकिन जिस तरह बाइडन के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर तमाम तरह की खबरें आ रही हैं उससे उनका चुनाव लड़ना संदिग्ध लग रहा है। हालांकि बाइडन अड़े हैं कि वह राष्ट्रपति का चुनाव लड़ेंगे और एक बार फिर ट्रंप को हरा कर दिखाएंगे लेकिन अब उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी भी इस पक्ष में दिख रही है कि बाइडन राष्ट्रपति की रेस से बाहर हो जायें। हाल में आयोजित बहस के दौरान ट्रंप से मुकाबला करते हुए बाइडन पिछड़ गये थे उसको देखते हुए अमेरिका में यह भावना आ रही है कि किसी और को आगे किया जाये। देखना होगा कि बाइडन की पार्टी का अंतिम निर्णय क्या होता है।

लेकिन दुनिया भर में इस समय जो बहस चल रही है वह यह है कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में क्या कोई युवा राष्ट्रपति पद के योग्य नहीं है? हम आपको बता दें कि बात सिर्फ बाइडन की ही नहीं है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप भी उम्रदराज हैं। इसलिए सवाल उठ रहा है कि क्यों किसी युवा को आगे नहीं किया जाता? वैसे हम आपको बता दें कि ऐसा नहीं है कि अमेरिका में सिर्फ राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ही बूढ़े हैं। अगर आप अमेरिकी संसद यानि कांग्रेस पर नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसके लगभग 20त्न सदस्य 70 या उससे अधिक उम्र के हैं, जबकि लगभग 6त्न सदस्य 40 से कम उम्र के हैं। कई हाई-प्रोफाइल अमेरिकी राजनेताओं की उम्र 80 के करीब या उससे अधिक है, जिसमें दोनों पार्टियों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी शामिल हैं। सवाल उठता है कि अमेरिकी राजनीति में उम्रदराज लोगों का ही बोलबाला क्यों है? सवाल यह भी उठता है कि अमेरिकी कांग्रेस में युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व इतना कम क्यों है? देखा जाये तो ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली युवाओं के लिए बनाई ही नहीं गयी है। अगर कोई युवा अमेरिकी कांग्रेस का चुनाव लड़ना चाहता है तो उसके पास सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वह भारी भरकम खर्च का जुगाड़ कैसे करेगा? जबकि उम्रदराज और पहले से राजनीति कर रहे नेताओं के पास अपना अच्छा नेटवर्क होता है जिसके चलते वह अपने लिए चुनाव अभियान आसानी से चला सकते हैं और चुनाव में खर्च के लिए अच्छा खासा फंड भी एकत्रित कर लेते हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राजनीति में शानदार चुनाव अभियान बहुत मायने रखते हैं। दूसरी ओर युवाओं के लिए राजनीति में आने का मतलब है कामकाज से कम से कम एक साल की छुट्टी। यदि कोई पहले से ही अमीर है, तो चुनाव लड़ना उसके लिए कोई बड़ी बात नहीं होती, यदि उसके पास अच्छी खासी बचत है तब भी वह अपना काम चलाते हुए अपने चुनाव अभियान को आगे बढ़ा लेता है लेकिन अगर किसी के पास धन नहीं है तो उसे कोई नहीं पूछता। इसीलिए युवा अमेरिकी कांग्रेस तक पहुंचने की दौड़ में शामिल नहीं हो पाते।

इसके अलावा, संभावित युवा उम्मीदवारों को पैसे के अलावा समय की भी कमी का सामना करना पड़ता है। युवाओं के लिए स्थिर कॅरियर, परिवार शुरू करना और आर्थिक सुरक्षा प्राथमिकता होते हैं। जबकि उम्रदराज लोगों के पास समय भी होता है और आर्थिक सुरक्षा भी होती है तथा अनुभव भी होता है इसलिए वह युवाओं पर भारी पड़ते हैं। साथ ही कांग्रेस तक पहुंचने में रुचि रखने वाले बुजुर्ग अमेरिकियों को कुछ प्रमुख चुनावी लाभ भी मिलते हैं। जैसे अमेरिकी जनता का अक्सर यह मानना रहा है कि पुरानी पीढ़ी के लोग युवाओं की अपेक्षा ज्यादा गुणवत्ता वाला काम करते हैं। अमेरिकी मतदाता यह भी मानते हैं कि चूंकि उनका देश ही एक तरह से विश्व भर के मामलों में निर्णायक भूमिका निभाता है इसलिए सर्वोच्च पद पर किसी अनुभवी व्यक्ति का बैठना जरूरी है। साथ ही, अमेरिकी राजनीति में एक चीज और देखने को मिलती है कि कांग्रेस के लगभग सभी सदस्य जो पुन: चुनाव लड़ते हैं, वह अंतत: जीत जाते हैं। इससे प्रदर्शित होता है कि अमेरिका में कार्य अनुभव काफी मायने रखता है। इसलिए कहा जा सकता है कि अमेरिका की केंद्रीय राजनीति उम्रदराज लोगों के इर्दगिर्द ही घूमती रहेगी।

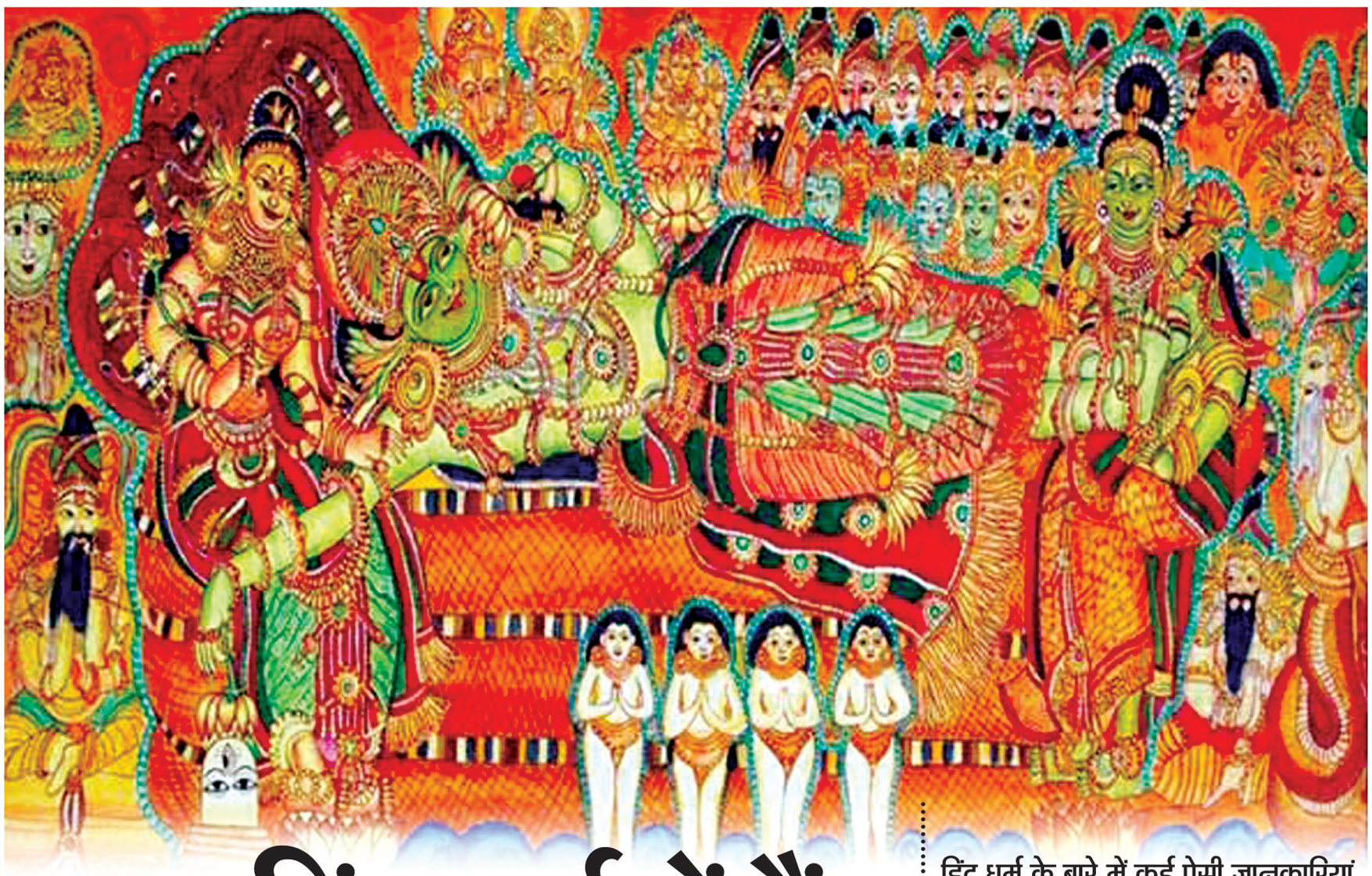

क्या हिंदू धर्म में हैं 33 करोड देवी-देवता

हिंदू धर्म के बारे में कई ऐसी जानकारियां हैं जो बहुत ज्यादा लोगों को पता नहीं है। ऐसे में कुछ खास और गूढ जानकारियों को हम आपके साथ बांट रहे हैं

देवभाषा संस्कृत में कोटि के दो अर्थ होते है, कोटि का मतलब प्रकार होता है और एक अर्थ करोड़ भी होता। हिन्दू धर्म का दुष्प्रचार करने के लिए ये बात उडाई गयी है कि हिन्दुओ के 33 करोड़ देवी देवता हैं। विद्वानों के अनुसार कुल 33 प्रकार के देवी देवता हैं हिंदू धर्म में – 12 प्रकार हैं आदित्य– धाता, मित, आर्यमा, शक्रा, वरुण, अँश, भाग, विवास्वान, पूष, सविता, तवास्था, और विष्णु...! 8 प्रकार में हैं वासु–, धर, ध्रुव, सोम, अह, अनिल, अनल, प्रत्युष और प्रभाष। 11 प्रकार हैं– रुद्र, हर, बहुरुप,त्रयँबक,अपराजिता, बृषाकापि, शँभू, कपार्दी, रेवात, मृगव्याध, शर्वा, और कपाली एवं दो प्रकार हैं अश्विनी और कुमार। कुल- 12+8+11+2=33

भारतीय संस्कृति के बारे में कुछ और भी जानना उचित रहेगा–

दो पक्ष– कृष्ण पक्ष, शुक्ल पक्ष।

तीन ऋण –देव ऋण, पितृ ऋण, ऋषि ऋण।

चार युग – सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग

चार धाम – द्वारिका, बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम धाम

चारपीठ – शारदा पीठ (द्वारिका), ज्योतिष पीठ (जोशीमठ बद्रिधाम), गोवर्धन पीठ (जगन्नाथपुरी), श्रन्गेरिपीठ!

चार वेद– ऋग्वेद, अथर्वेद, यजुर्वेद, सामवेद! चार आश्रम – ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास!

चार अंत:करण – मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार!

पंच गव्य – गाय का घी, दूध, दही,गोमूत्र, गोबर!

पञ्च देव – गणेश, विष्णु, शिव, देवी,सूर्य!

पंच तत्त्व – पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश!

छह दर्शन – वैशेषिक, न्याय, सांख्य,योग, पूर्व मिसांसा, दक्षिण मिसांसा!

सप्त ऋषि – विश्वामित्र, जमदाग्नि, भरद्वाज, गौतम, अत्री, वशिष्ठ और कश्यप!

सप्त पूरी –अयोध्यापूरी,मथुरा पूरी, माया पूरी (हरिद्वार), काशी, कांची (शिन कांची – विष्णु कांची), अवंतिका और द्वारिका पूरी!

आठ योग – यम, नियम, आसन,प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधी !

आठ लक्ष्मी – आग्घ, विद्या, सौभाग्य, अमृत, काम, सत्य, भोग एवं योग लक्ष्मी!

नव दुर्गा –शैल पुत्री, ब्रह्मचारिणी,चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धिदात्री!

दस दिशाएं – पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, इशान, नेऋत्य, वायव्य, अग्नि, आकाश एवं पाताल!

मुख्य 11 अवतार – मत्स्य, कच्छप, वराह,नरसिंह, वामन, परशुराम,श्री राम, कृष्ण, बलराम, बुद्ध, एवं कल्कि!

बारह मास – चेत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, अषाढ, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फागुन!

बारह राशी – मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, कन्या।

बारह ज्योतिर्लिंग – सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकाल, ओमकारेश्वर, बैजनाथ, रामेश्वरम, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, केदारनाथ, घुष्नेश्वर,भीमाशंकर, नागेश्वर।

पंद्रह तिथियां– प्रतिपदा,द्वितीय, तृतीय, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी,दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, पूर्णिमा, अमावष्या!

19 स्मृतियां – मनु, विष्णु, अत्री, हारीत, याज्ञवल्क्य, उशना, अंगीरा, यम, आपस्तम्ब, सर्वत, कात्यायन, ब्रहस्पति, पराशर, व्यास, शांख्य, लिखित, दक्ष, शातातप, वशिष्ठ!

मंगलवार व शनिवार को करें इन मंत्रों का जाप हनुमानजी करेंगे हर समस्या का समाधान

मंगलवार और शनिवार को रामभक्त हनुमान जी की पूजा की जाती है। इन दोनों दिन हनुमान जी का व्रत व पाठ करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। सुंदरकांड का पाठ करके हनुमान जी को प्रसन्न किया जा सकता है। यदि मंगलवार के दिन व्रत किया जाए तो मंगल दोष से भी मुक्ति मिलती है। यहां कुछ मंत्रों के बारे में बताया गया है जिनके जाप मात्र से व्यक्ति की विवाह, विद्या व रोग संबंधी सभी समस्याओं का हल हो जाता है।

इस मंत्र का जाप करने से विद्यार्थियों की बल बुद्धि में बढ़ौत्तरी होती है।

बुद्धिहीन तनु जान के सुमिरो पवन कुमार
बल बुद्धि विद्या देहु मोहि हरहु कलेश विकार।

व्यक्ति को किसी प्रकार की पीड़ा या रोग है तो मंगलवार या शनिवार के दिन इस मंत्र के जाप मात्र से निवारण हो जाएगा।

हनुमान अंगद रन गाजे हांक, सुनत रजनीचर भाजे।

लड़की या लड़के के विवाह में विलंब हो रहा है तो किसी भी मंगलवार या शनिवार के दिन इस मंत्र का जाप करें। इससे विवाह शीघ्र होने के योग बनते हैं।

मास दिवस महुं नाथु न भावा, तो पुनि मोहि जिअत नहि पावा।

घर में सुख शांति के लिए आजमाए ये सरल उपाय

हर इंसान चाहता है कि मेरे घर में सुख–शांति हमेशा बनी रही। लोग बहुत परेशान होते हुए भी कुछ नहीं समझ पाते की हमें अब क्या करना चाहिए। खबर यह है कि गृहस्थ व्यक्ति हमेशा कामना करता है कि उसके घर मे शांति हो, लेकिन उसके प्रयासों के बाद भी कोई न कोई बात ऐसी हो जाती है, जो उसके मन को अशांत कर देती है ऐसे में उसके कारणों की खोज परोक्ष रूप में करनी चाहिए। लहसुन की गांठ घर में रखने से सर्प कभी घर में प्रवेश नहीं करता। जो व्यक्ति यह समझता है कि घर के लोग उसकी बात को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि वह हमेशा उसकी बात को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि वह हमेशा सही होता है। ऐसे व्यक्ति को नियमित रूप से जल में थोड़ा–सा गुड मिलाकर निम्मलिखित मंत्र के साथ सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। यदि आपके घर में प्रतिदिन कभी भी किसी भी चीज की संपन्नता स्थिर नहीं रह पाती है तो अपने घर में महालक्ष्मी शंख को रखें, शाम में यंत्र को एकटक निहारते हुए श्रीं श्रीयैयै नम: का नियमित जप करें। जितनी अधिक संख्या में कर सकते हैं, उतना ही अच्छा है। यदि आपके घर में प्रतिदिन कोई न कोई मुसीबत आती है और आपको लगात है कि कोई आप पर तंत्र–मंत्र करवाता है तो आप किसी भी शुक्लपक्ष के सोमवार को नवदुर्गा यंत्र को घर के मुख्य द्वार पर लगाकर रोज 21 बार ऊँ ह्रीं दुर्गायै नम: का नियमित जप करें। गीता के 11वें अध्याय के 36वें श्लोक को गत्ते पर लाल स्याही से लिखकर टांग देने से घर की समस्त बाधाएं दूर हो जाती हैं। जिस घर में नियमित रूप से अथवा प्रत्येक शुक्रवार को श्रीसूक्त या श्रीलक्ष्मी सूक्त पाठ होता है। उस घर में सदा लक्ष्मी का वास होता है।

गाय कैसे और क्यों करती है वास्तु दोषों का निवारण

वास्तु के अनुसार अगर भवन, घर का निर्माण करना हो यदि वहां पर बछड़े वाली गाय को लाकर बांधा जाए तो वहां संभावित वास्तु दोषों का स्वत: निवारण हो जाता है। वह कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आतीं। गाय के रूप में पृथ्वी की करुण पुकार और विष्णु से अवतार के लिए निवेदन के प्रसंग बहुत प्रसिद्ध हैं। 'समरांगण सूत्रधार' जैसा प्रसिद्ध वृहद् वास्तु ग्रंथ गो रूप में पृथ्वी–ब्रह्मि के समागम–संवाद से ही आरंभ होता है। वास्तुग्रंथ 'मयमतम' में कहा गया है कि भवन निर्माण का शुभारंभ करने से पूर्व उस भूमि पर ऐसी गाय को लाकर बांधना चाहिए जो सवत्सा या बछड़े वाली हो। शास्त्रों में लिखा हैं की जब नवजात बछड़े को जब गाय दुलारकर चाटती है तो उसका फेन भूमि पर गिरकर उसे पवित्र बनाता है और वहां होने वाले समस्त दोषों का निवारण हो जाता है। यही मान्यता वास्तुप्रदीप, अपराजितपृच्छा आदि में भी आई है। महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि गाय जहां बैठकर निर्भयतापूर्वक सांस लेती है, उस स्थान के सारे पापों को खींच लेती है–

निविष्टं गोकुलं यत्र श्वांस मुंचति निर्भयम।
विराजयति तं देशं पापं चास्याप कर्षति॥

यह भी कहा गया है कि जिस घर में गाय की सेवा हो, वहां पुत्र–पौत्र, धन, विद्या, सुखादि जो भी चाहिए, मिल सकता है। यही मान्यता अत्रिसंहिता में भी आई है। अत्रि ने तो यह भी कहा है कि जिस घर में सवत्सा धेनु नहीं हो, उसका मंगल–मांगल्य कैसे होगा?

गाय का घर में पालन करना बहुत लाभकारी है। ऐसे घरों में सर्वबाधाओं और विघ्नों का निवारण हो जाता है। जिस घर में गाय रहती है उसमें रहने वाले बच्चों में भय नहीं रहता। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गए तो नंद दंपती ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया। सवत्सा गाय के शकुन लेकर जाने से कार्य सिद्ध होता है। पद्मपुराण, और कूर्मपुराण में कहा गया है कि कभी गाय को लांघकर नहीं जाना चाहिए। किसी भी साक्षात्कार, उच्च अधिकारी से भेंट आदि के लिए जाते समय गाय के रंभाने की ध्वनि कान में पड़ना शुभ है। संतान लाभ के लिए घर में गाय की सेवा अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण व स्कंदपुराण में कहा गया है कि गो सेवा और गोदान से यम का भय नहीं रहता। गाय के पांव की धूली का भी अपना महत्व है। यह पाप विनाशक है, ऐसा गरुड़पुराण और पद्मपुराण का मत है।

क्लेशों से मुक्ति दिलाता विश्रांति घाट

श्री कृष्ण ने स्नान कर किया था विश्राम

ततो विश्रांति तीर्थाख्यं तीर्थमहो विनाशनम। संसारमरू संचार क्लेश विश्रांतिदं नृणाम।

संसार रूपी मरूभूमि में भटकते हुए, त्रितापों से पीड़ित हर तरह से निराश्रित, विविध क्लेशों से क्लांत होकर जीव श्री कृष्ण के इस महातीर्थ में स्नान कर विश्राम अनुभव करता है इसलिए इस तीर्थ का नाम विश्रांति या विश्राम घाट है। विश्राम घाट की संरचना दो–मंजिली है। इसे बनाने के लिए लखोरी ईंट व चूने, लाल एवं बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। घाट को बुर्ज व खंभों पर बने अर्द्ध–गोलाकार, कांटेदार मेहराबों से सुसज्जित किया गया है। घाट का मध्य क्षेत्र खिले हुए आकर्षक रंगों से सजा हुआ है। यह तीन तरफ से मठों से घिरा हुआ है व चौथी तरफ सीढियां नदी में उतर रही हैं। मध्य क्षेत्र में संगमरमर से निर्मित श्री कृष्ण व बलराम की मूर्तियां नदी की ओर मुख करके स्थापित हैं। मूर्तियों के सामने पांच विभिन्न आकार के मेहराब हैं। बीच का मेहराब पत्थर के कुर्सी आधार व पत्थर के छोटे स्तंभ से निर्मित आयताकार है, जबकि नदी की तरफ वाले मेहराब ऊपरी मंजिल का सहारा लेकर छतरी की आकृति बनाते हैं। यहां अनेक संतों ने तपस्या की एवं अपना विश्राम स्थल बनाया। उक्त घाट पर भारत के धर्मभीरू राजाओं ने तुलादान (एक पलड़े में स्वयं व दूसरे में अपने वजन के सोना–चांदी जवाहरात) किए थे। तुला को लटकाने के मेहराब आज भी लगे हैं। विश्राम घाट के उत्तर में 12 और दक्षिण में 12 घाट हैं। दक्षिण दिशा के घाटों पर समाधियां जिनमें शंकरजी के मंदिर हैं। ये समाधियां सिंधिया परिवार से संबंधित हैं। देखभाल के अभाव में उक्त समाधियां जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पहुंच गई हैं। उत्तर दिशा के घाटों में गणेशतीर्थ घाट है, चक्रतीर्थ, कृष्णगंगा, स्वामीघाट, असिकुंड तीर्थ आदि हैं। जब शिवाजी महाराज आगरा किले से औरंगजेब की कैद से निकले तब मां जगदंबा (महाविद्या) की पूजा–अर्चना करके स्वर्ण छत्र चढ़ाया। तत्पश्चात गणेशजी का पूजन कर सीधे महाराष्ट्र के प्रतापगढ़ के लिए प्रस्थान किया। गणेशजी व मां जगदंबा के मंदिर आज भी उक्त स्थलों पर हैं। भगवान श्री कृष्ण ने कंस का वध कर इस स्थान पर विश्राम किया था इसलिए यहां की महिमा अपरंपार है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने महाबलशाली कंस को मारकर ध्रुव घाट पर उसका अंत्येष्टि संस्कार करवाकर बंधु–बांधवों के साथ यमुना के इस पवित्र घाट पर स्नान कर विश्राम किया था। किंतु भगवान से भूले–भटके जन्म–मृत्यु के अनंत, अथाह सागर में डूबते–उबरते हुए क्लांत जीवों के लिए यह अवश्य ही विश्राम का स्थान है।

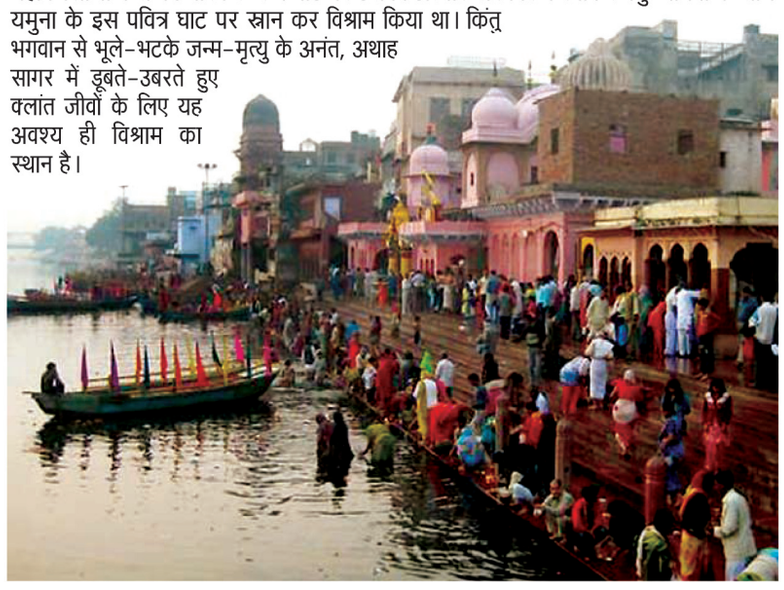

संक्षिप्त समाचार

CMF फोन 1, CMF बड्स प्रो 2 और CMF वॉच प्रो 2 की बिक्री शुरू

नई दिल्ली। लंदन की टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग के सब-ब्रांड CMF ने आज भारतीय समय के अनुसार दोपहर 12 बजे से बहुप्रतीक्षित CMF फ़ोन 1, CMF बड्स प्रो 2 और CMF वॉच प्रो 2 की बिक्री शुरू करने की घोषणा की है।

CMF फोन 1- CMF फ़ोन 1 अपने सेगमेंट की सबसे बेहतरीन पर्फोर्मेंस प्रदान करता है। यह भारत का पहला फ़ोन है जिसमें मीडियाटेक डाइमेंशन 7300 5G प्रोसेसर दिया गया है। इस फ़ोन को तेज़, भरोसेमंद और कुशल पावर जैसी खूबियों के साथ नथिंग के साथ मिलकर तैयार किया गया है। 5000 mAh की बैटरी के साथ, यूज़र्स इस फ़ोन को एक बार चार्ज करने पर दो दिन तक इसका उपयोग कर सकते हैं। 16 GB तक की रैम के साथ, आप इससे बहुत ही स्मूथ मल्टीटास्किंग का मजा उठा सकते हैं। यह फ़ोन नथिंग OS 2.6 पर चलता है, जो बहुत ही यूनीक और कस्टमाइज करने योग्य एंड्रॉयड अनुभव प्रदान करता है।

इसके दमदार कैमरा सिस्टम में सटीक बोकेह इफेक्ट के लिए एक डेडिकेटेड पोर्ट्रेट सेंसर के साथ सोनी 50 MP रियर कैमरा और 16 एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है। इसमें आसानी से उपयोग करने के लिए चमकदार 6.67 इंच सुपर एमोलेड डिस्प्ले में एक अल्ट्रा-स्मूथ 120 हर्ट्ज एडेप्टिव रिफ्रेश रेट दी गई है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और छत्तीसगढ़ सरकार ने एसएमई आईपीओ पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का किया आयोजन

मुंबई। छत्तीसगढ़ सरकार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 12 जुलाई 2024 को रायपुर में एसएमई आईपीओ ङ्क एसएमई के लिए फंड जुटाने का आशाजनक मार्ग विषय पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के एसएमई प्रमोटरों के चुनिंदा समूह ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम एवं वाणिज्य मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हम अपने राज्य में एमएसएमई क्षेत्र को विकसित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आज हमने अपने राज्य के एमएसएमई को विकास के अवसरों के लिए पूंजी बाजार का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने और समर्थन देने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ रायपुर में एसएमई आईपीओ पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित की। एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग से हमारे राज्य के एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर वांछित दृश्यता और विश्वसनीयता मिलेगी। हम एमएसएमई को फंड जुटाने की प्रक्रिया और स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के लाभों को समझने में मदद करने के लिए सुविधा प्रदान करेंगे। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में देश के कुल पूंजी बाजार में छत्तीसगढ़ का योगदान बढ़ता रहेगा। हम भविष्य में भी 3-4 सेमिनार आयोजित करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग सचिव श्री अंकित आनंद ने कहा, आज हमने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ मिलकर अपने राज्य के एमएसएमई को प्रोत्साहित करने और उनका समर्थन करने तथा उन्हें एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए एक आकर्षक कार्यशाला का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम को फोकस ग्रुप की कंपनियों ने खूब सराहा और कई प्रमोटरों ने पूंजी बाजार के माध्यम से धन जुटाने के अवसर तलाशने में रुचि दिखाई है। इसके अलावा, राज्य सरकार एनएसई इमर्ज पर लिस्टिंग के इच्छुक एमएसएमई के लिए कुछ प्रोत्साहन संरचनाओं पर काम कर रही है। एनएसई के एमडी और सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान ने कहा, हम एसएमई क्षेत्र को पूंजी बाजारों के माध्यम से धन तक पहुंच बनाने में सहायता करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एनएसई इमर्ज ऐसे एसएमई के लिए स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने और भारत की विकास कहानी को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। आज, हमने छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से राज्य के एसएमई उद्यमियों के फोकस समूह को शिक्षित करने के लिए एक समृद्ध सत्र आयोजित किया है। एनएसई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. हरीश आहूजा ने इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। आज तक, विभिन्न क्षेत्रों की 497 कंपनियाँ ह्स्श्व इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सूचीबद्ध हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से 11,687 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं। इन कंपनियों का कुल बाज़ार पूंजीकरण लगभग 1,67,000 करोड़ रुपये है।

आबकारी टीम बिलाईगढ़ ने 8.040 किलोग्राम गांजा पकड़ा

गांजा के तस्करी के दौरान उपयोग में लाए बाइक जप्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन), /आबकारी आयुक्त सह सचिव आर संगीता और कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी सोनल नेताम के मार्गदर्शन में गत दिवस हरिशंकर साहू पिता रामकृपाल और वाकेश्वर वर्मा पिता शोभित, दोनो निवासी ग्राम मल्दी थाना बिलाईगढ़ को मादक पदार्थ गांजा के अवैध तस्करी करते पकड़ा गया। गांजा के तस्करी के दौरान उपयोग में लाए बाइक को जप्त किया गया।

मुखबिर से मिली सूचना की आबकारी विभाग वृत्त बिलाईगढ़ को सूचना जांच में पुष्टि होने के पश्चात मुखबिर सूचना पंचनामा तैयार किया गया तथा जिला आबकारी अधिकारी को फोन पर इस संबंध में सूचित करते हुए गवाहों को नोटिस देकर आबकारी टीम के साथ बताए गए स्थान पर तत्काल उपस्थित हुए। मल्दी रामपुर मार्ग में एक संदिग्ध दो पहिया वाहन आता दिखा हमारे वाहन को आता देख वाहन चालक द्वारा वाहन को मोड़कर वापस भागने का प्रयास किया जिसे दौड़ा

कर रुकवाया गया एवं गवाहों के समक्ष दोनों संदेहियों से पूछताछ की गई तथा इनके पास में काले रंग के बैग की विधिवत रूप से तलाशी ली गई तलाशी में बैग से कुल 08 नग झिल्ली में अच्छी तरह से भरा पत्ती नुमा बीज युक्त पदार्थ को बरामद किया गया बरामद मादक पदार्थ का मौके पर ही प्राथमिक रूप से जांच करने पर गांजा होना पाया गया द्य स्थानीय तौलक के माध्यम से गांजे का तौल करवाया गया जिसका कुल वजन 8.040 किलोग्राम का होना पाया गया है द्य बरामद गांजा को समरस किया गया एवं समस्त मात्रा को 02 नग कपड़े के थैले में भागकर उसे सीलबंद कर विधिवत कब्जा आबकारी लिया गया है द्य आरोपियों को एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 20(क्ष) के उल्लंघल करने के आरोप में मौके से गिरफ्तार कर उन्हें विशेष न्यायाधीश एन डी पी एस अधिनियम रायगढ़ के समक्ष पेश किया गया द्य

इस कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक विपिन कुमार पाठक, आबकारी आरक्षक धनेश्वर राव मगर एवम वाहन चालक रामदुलार पटेल का उल्लेखनीय योगदान रहाद्य

सेजेस बिलाईगढ़ में ब्लाक स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया

बिलाईगढ़ (समय दर्शन):- 13जुलाई 2024 । स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बिलाईगढ़ में ब्लाक स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुभाष जालान जिला अध्यक्ष भाजपा, अध्यक्षता श्री रामनारायण देवांगन,अध्यक्ष नगर पंचायत बिलाईगढ़,नरेश देवांगन उपाध्यक्ष नगर पंचायत बिलाईगढ़, भूपेन्द्र विक्रांत साहू सभापति जिला बलौदाबाजार,युवा खूबचंद मिरी सहित अनेक बीजेपी कार्यकर्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा 10वीं की ऊर्जस्वि जांगड़े ,सिमरन साहू,अवंतिका जायसवाल एवं लता साहू, के द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। तत पश्चात सेजेस बिलाईगढ़, सेजेस पवनी, कन्या शाला बिलाईगढ़, कस्तूरबा विद्यालय बिलाईगढ़ एवं पूर्व माध्यमिक शाला छुईहा सहित अनेक स्कूलों के छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक की प्रस्तुति दी गई ।जिसमें सेजेस पवनी के42छात्राओं के समूह में कर्मा नृत्य किया गया जो आकर्षण का केन्द्र रहा। समर केम्प लगाने वाले शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ।सेजेस स्कूल बिलाईगढ़ के कक्षा10वीं एवं कक्षा12वीं में टॉप करने वाले छात्र- छात्राओं को सम्मानित किया गया । नव प्रवेशी बच्चों को पुस्तक एवं गणवेश अतिथियों के हाथों प्रदान किया गया।

इस अवसर पर अतिथि ने बताया कि घर ,परिवार, समाज व राष्ट्र के निर्माण में अपने सफल जीवन के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। आप सभी विद्यार्थी भी मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य श्री नरेंद्र कुमार साहू सेजेस बिलाईगढ़,ए के साहू सेजेस पवनी, डी पी सोनी,एम आर साहू,बी आर सी सी,महेशराम,कुर्रे, प्राचार्य टी आर सिदार, एस एस सबर, पी आर, साहू,नारायण सिंह तोमर, विनोद डड़सेना,भागवत साहू,महेत्तरलाल देवांगन,दिनेश कुमार साहू, त्रिलोक हरिप्रिय, श्रीमती बुधनी अजय,श्रीमती भारतमाता खटकर, भारती सोनी,गरिमा साहू, स्वाती देवांगन,भगवती चरण टण्डन, निर्मल टण्डन,ललित बर्मन, श्रीमती अंशु कमलेश, सविता राठौर, वजयंतिमाला,अजरानी भतपहरी, शिवराज चंद्रवंशी,,रेणुका देवनाथ,श्रुति वर्मा,अंजुलता,इशिता,अंकित खुंटे, शशांकदास, गुलशन, हीरेन्द्र, दुर्गेश,प्रवीण कुमार आदि समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया।

सेजेस बिलाईगढ़ के प्राचार्य श्री नरेंद्र कुमार साहू ने सभी अतिथियों,को शाला की समस्याओं को अवगत कराते हुए सभी स्कूलों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत न्यू पुलिस लाइन में विधायक व महापौर द्वारा किया वृक्षा रोपण

दुर्ग / 14 जुलाई / एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत न्यू पुलिस लाइन कालोनी में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल सम्मिलित होकर पौधारोपण किया। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,पर्यावरण प्रभारी सत्यवती वर्मा,एसपी जितेंद्र सुक्ला,,वार्ड पार्षद माहेश्वरी ठाकुर,उद्यान प्रभारी अनिल सिंह,डीएसपी लाइन चंद्रप्रकाश तिवारी,रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, डॉ विश्वनाथ पाणिग्रही, मनोज गोयल, राजेश गुप्ता एवं पुलिसकर्मी परिवार के साथ

छायादार एवं फ्लदार पौधे लगाए। विधायक व महापौर ने लोगो के साथ पौधा - रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया इस अवसर पर विधायक गजेंद्र यादव व महापौर धीरज बाकलीवाल ने पुलिस लाइन कालोनीवासियों ने पुनीत कार्य सम्पन्न करने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित किया.आप भी अपने घरों के आसपास पौधे अवश्य लगाएं ताकि पेड़-पौधे आने वाली पीढ़ियों के सुख और स्वास्थ्य का आधार बने। उन्होंने कहा कि वैसे ही प्रकृति भी हमारे लिए जीवनदायिनी है। इसकी सुरक्षा और संवर्धन हमारी जिम्मेदारी है। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा आप सभी शहरवासियों से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर पौधा रोपण करने का आग्रह करता हूं।इस अवसर पर आसपास के प्रमुख नागरिकगण भी मौजूद रहे।

नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण पर जोर

कलेक्टर ने स्वच्छता सर्वेक्षण अंतर्गत अभियान चलाकर प्रयास करने दिए निर्देश

दुर्ग/ जिले के नगरीय निकायों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक शनिवार 13 जुलाई को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में नगरीय निकायों में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 अंतर्गत एजेंडावार समीक्षा की गई। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जिले के सभी नगरीय निकायों में नालों, सड़कों की सफाई, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट का समुचित निपटान करने तथा गार्बेज फ्री सिटी की

दिशा में अभियान चलाकर प्रयास करने के निर्देश दिए। साथ ही नगरीय निकायों को अधोसंरचना सहित विभिन्न मद अंतर्गत लंबित तथा आवास निर्माण को पूर्ण करने, राजस्व आय में वृद्धि करने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 केंद्रीय मंत्रालय की पहल है रिड्यूस रियुज रिसाइकल की थीम पर आधारित है, जिसमें 4800 से ज्यादा शहरों में स्वच्छ सर्वेक्षण किया जाना है। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री एम. भार्गव, नगर निगम भिलाई के आयुक्त श्री देवेश ध्रुव, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त श्री लोकेश चंद्राकर, नगर निगम रिसाली के आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, एसडीएम छावनी भिलाई श्री लवकेश ध्रुव और सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित थे।

संत कर्मा माता की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ धूम धाम से संपन्न

जिले में पहली मंदिर के निर्माण से समाज में हर्ष का माहौल : तोषराम

बिलाईगढ़ (समय दर्शन): - छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में स्थित नगर पंचायत पवनी में हर्षोल्लास के साथ संत माता कर्मा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला साहू संघ सारंगढ़ बिलाईगढ़ के प्रथम जिला अध्यक्ष तोषराम साहू उपस्थित रहे जिनके उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। सबसे पहले नगर साहू समाज के पदाधिकारीयों ने गांव में भक्ति माता कर्मा की छायाचित्र के साथ कलश यात्रा और शोभा यात्रा निकाला। यह शोभायात्रा मां कर्मा माता मंदिर से बड़े तालाब तक निकाला गया जिसके बाद जल भर कर कार्यक्रम स्थल में शोभा यात्रा का समापन हुआ। इसके बाद कार्यक्रम में शुभ मुहूर्त देखकर हवन पूजन संपन्न हुआ और मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भी संपन्न हुआ कार्यक्रम के बाद पहुंचे अतिथियों की उपस्थिति में मां कर्मा की महा आरती की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला साहू संघ सारंगढ़ बिलाईगढ़ के प्रथम अध्यक्ष तोषराम साहू ने कहा कि हमारे समाज के लिए आज का दिन स्वर्णिम अक्षर में लिखे जाने वाला दिन है। आज हमारे जिले में प्रथम मां भक्तों माता कर्मा की मूर्ति की स्थापना मंदिर में की गई है। नगर पंचायत पवनी के साहू समाज के पदाधिकारीयों ने मां भक्तों माता कर्मा की मंदिर बनाकर इतिहास रचा है। मैं सभी साहू समाज के पदाधिकारीयों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं और आगे भी इसी प्रकार हमारे समाज को आगे बढ़ने का कार्य करें ऐसा मैं आप सभी के ऊपर विश्वास करता हूं। जिला साहू संघ के संरक्षक पंचराम साहू ने कहा की नगर साहू संघ पवनी के द्वारा माता कर्मा की मंदिर में संत शिरोमणि माता कर्मा के साथ श्री राम दरबार और गायत्री माता, सरस्वती माता एवं बजरंगबली के साथ कई अन्य देवी देवताओ की मूर्ति का आज प्राण प्रतिष्ठा किया गया है। यह जिले का प्रथम कर्मा माता मंदिर है जिसमे समस्त नगर वासी पवनी और हमारे जिले सारंगढ़ बिलाईगढ़ के विभिन्न तहसीलों से पदाधिकारी गण पहुंचकर इस पुण्य में भागीदार बने हैं। यह कर्मा माता मंदिर वैचारिक मंच है इस मंच के माध्यम से शैक्षणिक विकास एवं सामाजिक विकास का धरोहर साबित होगा। इस कार्यक्रम को तहसील साहू संघ बिलाईगढ़ के अध्यक्ष शनि साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष हेतराम साहू समेत अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला साहू संघ के प्रथम जिला अध्यक्ष तोषराम साहू के साथ जिला साहू संघ के संरक्षक पंचराम साहू, फिरतू राम साहू, नगर अध्यक्ष लोकनाथ साहू, जिला महामंत्री सेतु साहू, तहसील बिलाईगढ़ अध्यक्ष शनीराम साहू, भटगांव अध्यक्ष श्याम लाल साहू, जिला कोषाध्यक्ष डॉ अशोक साहू,जिला उपाध्यक्ष आत्माराम साहू, बैसाखू राम साहू, धनसाय साहू, जिला मीडिया प्रभारी करन साहू, तहसील अध्यक्ष बरमकेला डॉ अवधराम साहू, तहसील अध्यक्ष सारंगढ़ बरतलाल साहू, तहसील संरक्षक धनेश साहू, भाजपा युवा मोर्चा मंडन अध्यक्ष नंदू साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष हेतराम साहू, संतोष साहू,दशरथ साहू, ओमप्रकाश साहू, नारायण साहू,तुलाराम साहू,प्रह्लाद साहू, रामकुमार साहू,भानु साहू, रमेश साहू, श्रीमती सुनीति साहू, कन्या साहू, रूखमणी साहू, यादराम साहू, चैतराम साहू, रामजी साहू, ग्राम अध्यक्ष मनोज कुमार साहू, ग्राम सचिव मीनू साहू, दरसराम साहू सहित अन्य साहू समाज के पदाधिकारीगण एवं गणमान्य नागरीकगण उपस्थित रहे ।

खबर-खास

सिद्धि परिवर्तन महिला स्व सहायता समूह संचालित करेगी घनश्याम कॉलेज में कैंटिन सुविधा

दुर्ग। केंटिंग परिवर्तन महिला स्व सहायता, समूह की महिलाओं को घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग के द्वारा कैंटीन संचालन का अवसर दिया है। जिसका शुभारम्भ 11 जुलाई को दयानंद शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती आभा रानी गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता के द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में तुलाराम शाला की प्राचार्य शिवहरे मैडम, घनश्याम आर्य कन्या महाविद्यालय के उप प्रचार्य डा नीतू सिंह, धर्मपाल पब्लिक स्कूल की प्राचार्य आलिया खान, समस्त शिक्षिकाएं , प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित थी। इस अवसर पर कैंटीन की संचालिका श्रीमती गीता राजपूत ने बताया कि हम छात्राओं को पौष्टिक गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थ देंगे साथ ही उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए अपने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को बनाए रखने का हमेशा प्रयास करेंगे। स्व सहायता समूह के इस पराक्रम से महिलाओं में सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता के गुणों का विकास करना इसका उद्देश्य है, जिसके लिए दयानंद शिक्षा समिति के द्वारा दिए गए इस अवसर हेतु सभी समूह की महिलाओं ने धन्यवाद दिया।

बच्चों ने सिखाया पेड़ पर्यावरण की धुरी है

भिलाई। हम सभी जानते हैं कि आज पर्यावरण के असंतुलित होने का प्रमुख कारण पेड़ों की कटाई है। इस विषय पर डीएवी पब्लिक स्कूल हुडको मे बच्चों ने पालकों के समक्ष पर्यावरण संरक्षण के विषय मे मॉडल के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किये। कक्षा 7 की पलक ने मॉडल के माध्यम बताया कि मानव कारखाने लगाने के लिए जंगलों को काटने लगे है। इसके कारण जंगली जानवर अब शहरो मे प्रवेश करने लगे है। इससे भीषण असंतुलन की स्थिति बन रही है। यदि एसा चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब पेड़ ना के बराबर रह जायेगे और पृथ्वी विनाश के कगार पर होगी। हमे यथा सम्भव पेड़ काटने से बचना चाहिए और अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उन्हें बड़ा करना चाहिए। डीएवी स्कूल के प्रतिवर्ष इस प्रकार के कार्यकर्म का आयोजन किया जाता है। इससे बच्चों के बौधिक विकास होता है और बच्चों मे समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का विकास होता है। इस प्रकार के 15 से अधिक बच्चों के समुह द्वारा अपने अपने मॉडल के माध्यम से अपने अपने विचार प्रस्तुत किये।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बैगा बाहुल्य गांवों में डायरिया, मलेरिया और मौसमी बीमारियों रोकथाम के दिए निर्देश

सोनवाही गांव में पांच ग्रामीणों की मौत उल्टी-दस्त से नहीं, अलग-अलग कारणों से हुई है - कलेक्टर

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को जिले के बोड़ला विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम सोनवाही पहुंचे और पीड़ित के परिजनों व ग्रामीणों से मिले। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम सोनवाही में 10 जुलाई को हुई दो ग्रामीणों की अकास्मिक मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने ग्राम सोनवाही के आदिवासी बालक छात्रावास में बनाए गए अस्थाई स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने शर्मा ने जिला प्रशासन को वनांचल व मैदानी क्षेत्रों में मौसमी बीमारी, डायरिया, उल्टी दस्त और जलजनित बीमारियों को रोकने प्रभावी कार्य योजना बनाने, स्वास्थ्य शिविर लगाने एवं जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सुदूर वनांचल क्षेत्र चिल्फी, झलमला और तरेगांव जंगल के शासकीय अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन डीएमफ़ से शीघ्र क्रय करने के निर्देश दिए। उन्होंने वनांचल सभी गांवो में स्वास्थ्य शिविर, जल स्त्रोतो का क्लोनिएशन कराने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से पूरे घटना की विस्तृत जानकारी भी ली। कलेक्टर श्री महोबे ने बताया कि ग्राम सोनवाही में 10 जुलाई को दो ग्रामीणों की मौत हुई है। पांच ग्रामीणों की मृत्यु होने की बात सामने आई थी। इस विषय पर बोड़ला एसडीएम और सीएमएचओ को जांच और घर-घर पहुंच कर सर्वे करने के निर्देश दिए गए थे। सोनवाही में जो पांच ग्रामीणों की मौत की खबर थी, वह अलग-अलग कारणों से और अलग-अलग जगह में हुई है। सभी की मृत्यु डायरिया या उल्टी-दस्त से नहीं हुई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीएल राज ने बताया कि 10 जुलाई को गांव में दो ग्रामीणों की मृत्यु होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पास के ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झलमला के चिकित्सक और स्वास्थ्य अमला गांव पहुंचा और आदिवासी बालक आश्रम छात्रावास में अस्थाई रूप से अस्पताल बनाया गया। वहां ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण शुरू किया गया। दूसरे दिन 11 जुलाई को कलेक्टर के निर्देश पर जिला स्तर और चिल्फी के और अतिरिक्त स्वास्थ्य टीम को भेजकर ग्राम सोनवाही में तैनात किया गया।

सीएमएचओ डॉ राज ने बताया कि 10 जुलाई को गांव के सोनसिंह पिता ईतवारी उम्र लगभग 45 वर्ष और एक महिला श्रीमती फूलबाई पति मंगल सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष की मृत्यु की सूचना मिली। ग्रामीणों मुताबिक सोनसिंह अपने खेत से काम कर घर लौटा था, उन्होने अपनी तबियत खराब होने की बात घर वालों से की। इसके बाद उसे उल्टियां शुरू हुई और तीन से चार घंटे के दौरान उनकी घर पर ही मृत्यु हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक इसी प्रकार महिला फूलबाई की मृत्यु भी उल्टी से हुई। ग्रामीणों से चर्चा के बाद जांच और पूछताछ से प्रथम दृष्टयता में जहरीले मशरूम से फूड पायजिनिंग की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद सही कारण स्पष्ट हो जाएगा। ग्रामीणों से पूछताछ और चर्चा के दौरान तीन और ग्रामीणों के मौत की जानकारी मिली।

पांच ग्रामीणों की मृत्यु अलग अलग कारणों से हुई- कलेक्टर जनमेजय महोबे ने बताया कि ग्रामीणों के मुताबिक 8 जुलाई को सुरेश कुमार की मृत्यु अज्ञात कारणों से व इसी दिन लिलेश्वरी पति पुसुराम की मृत्यु मध्यप्रदेश के ग्राम लालखार में हुई है। ग्राम सोनवाही मृतक का ससुराल था। जचकी के बाद परिवार के लोग अपने घर लालखार ले गए, वहां उनकी मृत्यु हुई है। वहीं 4 जुलाई को शांति बाई पति राजकुमार की मृत्यु सहसपुर लोहारा के पड़की पारा में हुई है। मृतक महिला का ससुराल ग्राम सोनवाही था। ग्रामीणों द्वारा इन सभी की मौत को उल्टी-दस्त या डायरिया से बताई जा रही थी। सभी मृतकों की मृत्यु की वजह अलग-अलग है।

उपमुख्यमंत्री ने अस्थाई स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर दिए बेहतर उपचार के निर्देश - उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अस्थाई स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और उपचार कराने आएं मरीजों से चर्चा की। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने बताया कि ग्राम सोनवाही में 194 घर है, जिसकी कुल आबादी 580 है। इस गांव में 12 कुंआ और 02 हैंडपंप है। एक मितानिन भी कार्यरत है। उन्होंने बताया कि बिमारी के लक्षण मिलने पर गांव में लोगों का लगातार स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। 11 जुलाई को 194 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था, जिसमें 08 लोगों का स्वास्थ्य खराब होने के कारण उप स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती किया गया। इनमें 07 लोगों को मौसमी बुखार के लक्षण और 01 को उल्टी हो रही थी। जांच के दौरान 19 मलेरिया पॉजिटिव मिला। इसी प्रकार 12 जुलाई को 144 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें 12 को मौसमी, सर्दी बुखार के लक्षण पाएं गए है, जिनकों सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झलमला में भर्ती कराया गया है। जांच के दौरान 10 मलेरिया पॉजिटीव पाएं गए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी मरीजों का बेहतर स्वास्थ्य उपचार करने के निर्देश दिए।

प्रतिभागी अपने खेल कौशल का बेहतर प्रदर्शन करें -पांडेय

कवर्धा (समय दर्शन)। विकासखंड स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार आयोजन वनांचल के केन्द्र बिन्दु कुई कुकदूर के हाई स्कूल के मैदान में किया गया, जिसमें कबड्डी बालक बालिका के तीनो आयु वर्गों में प्रतिभागियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सबको आकर्षित किया।

परंपरागत खेल कबड्डी का यह खेलकूद दो दिनों तक चला। प्रथम दिवस बालक वर्ग एवम द्वितीय दिवस बालिका वर्ग के प्रतिभागियों ने जमकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किए। विकासखंड स्तरीय इस खेल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी जिला स्तर में अपना कौशल दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक, खिलाडी एवम पूर्व प्राचार्य शतानंद पांडेय ने बेहतर खेल के प्रदर्शन के लिए आशीर्वचन दिया एवम अभी हाल में ही शासकीय सेवा से अपने अधिवार्षिकी पूर्ण करने वाले वरिष्ट पीटीआई अजीज खान एवम राकेश पी नाथ को उनकी सेवाओ को याद करते हुए उन्हें प्रतीक चिन्ह, शाल देकर सम्मानित किया।

द्वितीय दिवस की खेल प्रतियोगिता में बालिकाओं ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। खंड शिक्षा अधिकारी जीपी बनर्जी, बीआरसी अर्जुन चंद्रवंशी, क्रीड़ा प्रभारी अश्वनी चंद्राकर ने प्रतियोगिता स्थल कुकदूर पहुँच कर बच्चो का उत्साहवर्धन किया व शुभकामनाएं दी। संस्था प्रमुख रमेश सिंह पोर्ते, संकुल समन्वयक सभाजीत सिंह, विद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी व स्टाफ के साथ सफल आयोजन में महती भूमिका निभाई। इस अवसर में पीटीआई दिनेश वर्गीस, रमेश चंद्राकर, राजेश शुक्ल, महेश बरेठ, मुकेश साहू, मोहन साहू, कोमल धृतलहरे, हलधर राजपूत, राजर्षि पांडेय, ग्रामवासी, पालक व खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

एएम/एनएस इंडिया की पहल: टॉपर छात्रों को साइकिल वितरण कर बढ़ाया उत्साह

ज्ञान ज्योति टॉपर्स अवार्ड पहल के तहत् टॉपर छात्रों को मिली साइकिलें

पाइपलाइन गांवों के टॉपर छात्रों को साइकिल वितरण कर किया सम्मानित

दंतेवाडा किरंदुल। एएम/एनएस इंडिया के सीएसआर पहल ज्ञान ज्योति टॉपर्स अवॉर्ड के तहत, किरंदुल में हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल और डिग्री कॉलेजों के 39 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को साइकिल का वितरण किया गया। इन छात्रों को किरंदुल नगर परिषद के अध्यक्ष, महाप्रबंधक (एएम/एनएस इंडिया, किरंदुल) सहित बीआरसी, सीएससी अधिकारियों, प्राचार्यों, छात्रों और उनके अभिभावकों की उपस्थिति में साइकिलें प्रदान की गईं। इसके अलावा एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा 31 पाइपलाइन गांवों के 31 टॉपर छात्रों को संबंधित प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए साइकिल एवं लेडी साइकिल का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में बिनती खिल्लो (जिला परिषद्, चित्रकोंडा), जीएम (एएम/एनएस इंडिया किरंदुल) सहित प्रत्येक स्कूल के प्रधानाध्यापकों, छात्रों एवं उनके अभिभावकों की उपस्थिति रही।

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी की पहल ज्ञान ज्योति टॉपर्स अवॉर्ड का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रोत्साहित कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है, जिससे उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सके। कम्पनी अपने निरन्तर प्रयासों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रही है।

वर्ष 2024 के द्वितीय नेशनल लोक अदालत में कुल 110974 मामले निराकृत

अवार्ड राशि 315443693 रूपए रही

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. प्रज्ञा पचौरी, प्रधान जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के निर्देशन में आज 13 जुलाई 2024 को जिला न्यायालय एवं तहसील व्यवहार न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके तहत जिला न्यायालय दुर्ग, कुटुम्ब न्यायालय, दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 व्यवहार न्यायालय पाटन एवं व्यवहार न्यायालय धमधा तथा किशोर न्याय बोर्ड श्रम न्यायालय, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐ) राजस्व न्यायालय एवं उपभोक्ता फोरम दुर्ग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र पर डॉ. प्रज्ञा पचौरी, प्रधान जिला न्यायाधीश दुर्ग द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवल कर प्रात: 10.30 बजे किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग एवं जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग की अध्यक्ष सुश्री नीता जैन एवं अन्य पदाधिकारीगण, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा विभिन्न बैंक के प्रबंधक उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में कुल 37 खण्डपीठ का गठन किया गया। परिवार न्यायालय दुर्ग हेतु 04 खण्डपीठ, जिला न्यायालय दुर्ग हेतु 28, तहसील न्यायालय भिलाई-3 में 01 खण्डपीठ, तहसील पाटन हेतु 01 खण्डपीठ, तहसील न्यायालय धमधा में 01 खण्डपीठ, किशोर न्याय बोर्ड हेतु 01 तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएँ) दुर्ग के लिए 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्व न्यायालय में भी प्रकरण का निराकरण हेतु खण्डपीठ का गठन किया गया था।

उक्त नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य दाण्डिक सिविल परिवार मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित प्रकरण रखे गये तथा उनका निराकरण आपसी सुलह, समझौते के आधार पर किया गया। इसके अलावा बैंकिंग/वित्तीय संस्था, विद्युत एवं दूरसंचार से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों (विवाद पूर्व प्रकरण) का निराकरण भी किया गया। लोक अदालत में दोनों पक्षकारों के आपसी राजीनामा से प्रकरण का शीघ्र निराकरण होता है, इसमें न तो किसी की हार होती है न ही किसी की जीत होती है।

आज आयोजित उक्त नेशनल लोक अदालत का निरीक्षण माननीय श्री न्यायमूर्ति एन. के. चंद्रवंशी, न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर एवं पोर्टफोलियो जज जिला-दुर्ग द्वारा किया गया। माननीय श्री न्यायमूर्ति द्वारा न्यायालय परिसर में गठित खण्डपीठों का निरीक्षण करते हुए उपस्थित पक्षकारों से रू-ब-रू हुये नेशनल लोक अदालत से संबंधित कार्यों का जायजा लिया गया। माननीय श्री न्यायमूर्ति द्वारा वर्चुअल मोड़/विडियो कान्फ्रेंसिंग से हो रहे राजीनामा में भी स्वत: पक्षकारों से भी वार्तालाप कर राजीनामा करने हेतु उन्हें प्रेरित किया। माननीय श्री न्यायमूर्ति द्वारा प्रकरण के पक्षकार जिनके मध्य राजीनामा हुआ है उन्हें प्रेरित करने हेतु पौधे स्मृति स्वरूप प्रदान किये गये। माननीय श्री न्यायमूर्ति द्वारा इस उद्देश्य सहित, कि वे पौधे को अपने घर में लगाकर पुन: स्थापित हुए मधुर संबंध के चिन्ह के रूप में उक्त पौधे को देखते हुए प्रोत्साहन लेते हुए अपने मध्य मधुर संबंध बनाए रखें। निरीक्षण के दौरान श्री न्यायमूर्ति एन. के. चंद्रवंशी के साथ डॉ0 प्रज्ञा पचौरी, प्रधान जिला न्यायाधीश दुर्ग, श्रीमती गिरिजादेवी मेरावी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग, श्री संजीव कुमार टामक विशेष न्यायाधीश एस.सी.एस.टी.एक्ट एक्ट दुर्ग, श्रीमती रश्मि नेताम, मुख्य न्यायिक मजिस्टेट दुर्ग तथा सचिव श्री आशीष डहरिया उपस्थित रहे। आज आयोजित नेशनल लोक अदालत के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर दुर्ग में आने वाले जनसाधारण लोगों के लिए नि:शुल्क आम लंगर का आयोजन किया गया जिसमें जिला न्यायालय परिसर दुर्ग में पधारने वाले आंगतुकों/पक्षकारों को अधिकाधिक संख्या में नि:शुल्क भोजन का वितरण किया गया। इसके साथ-साथ कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर दुर्ग में आने वाले पक्षकारों के स्वास्थ्य जॉच/परीक्षण हेतु एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें उक्त विभाग/कार्यालय की ओर से डॉ. शुमदा तिवारी, श्रीमती जयश्री नागरे ग्रामीण चिकित्सा सहायक, श्री खेमलाल कुर्रे, श्री प्रवीण कुमार कुर्रे फारमासिस्ट, श्री राजू यादव वार्ड ब्वाय के द्वारा सेवाएँ प्रदान की गयी।

कार्यालय, खण्ड चिकित्सा अधिकारी,
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुण्डरदेही, जिला-बालोद (छ.ग.)
E-mail-bmogunderdehi@yahoo.com Ph. No.0788-2628142
कमांक /स्था./2024-25/626 गुण्डरदेही, दिनांक- 11/07/2024

-: द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना:-

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि विकासखण्ड-गुण्डरदेही, जिला-बालोद (छ.ग.) के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-अर्जुन्दा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भरदाकला, खुरसुनी, सांकरी, सिरसिदा, कुरदी, माहुद (बी), कलंगपुर, रनचिरई, बेलौदी, गुरेदा में राज्य शासन के नियमानुसार प्रसूति महिला एवं भर्ती मरीजों को नाश्ता एवं भोजन प्रदाय हेतु उक्त निविदा महिला स्व-सहायता समूह, अलाभकारी संस्था, भोजनालय एवं केटरर्स व अन्य फर्मों से मोहरबंद निविदायें जीवित पंजीकृत संस्थाओं से आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी सम्बन्धित संस्था के कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिये रू. - 1000.00 (एक हजार रूपये) एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिये रू.-500.00 (पांच सौ रूपये) की राष्ट्रीयकृत बैंक से बैंक ड्राफ्ट NRHM FUND MAIN ACCOUNT BLOCK GUNDERDEHI के नाम से जमा कर अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुण्डरदेही से अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं। प्राप्त निविदा प्रपत्र को मुहरबंद लिफाफे में पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कोरियर के माध्यम से ही जमा किया जाना होगा।

क्र.	विवरण	निर्धारित तिथि
1	निविदा प्रपत्र बिकी की अंतिम तिथि	06.08.2024 शाम 5 बजे तक
2	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	07.08.2024 दोपहर 2.00 बजे तक
3	निविदा खोले जाने की तिथि	07.08.2024 दोपहर 3.00 बजे
4	निविदा खोले जाने का स्थान	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुण्डरदेही विकासखंड- गुण्डरदेही, जिला बालोद (छ.ग.)

टीप- निविदा खोलने का समय, स्थान, दिनांक अपरिहार्य कारणों से परिवर्तित किया जा सकता है। जिसकी सूचना कार्यालय के सूचना पटल में दिया जावेगा। व्यक्तिगत रूप से सूचना नहीं दी जावेगी।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र - गुंडरदेही
जिला - बालोद (छ.ग.)

जी-242501047/1

वन विभाग बसना की टीम ने किया 10 लट्ठा बीजा,बल्ली सहित चिरान की जप्ति

बसना (समय दर्शन)। मण्डलाधिकारी महासमुन्द के निर्देशानुसार उप वन मण्डलाधिकारी सरायपाली अनिल कुमार भास्करन के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी बसना सुखराम निराला के कुशल संचालन में संदिग्ध निक्षेप स्थान की तलाशी के लिए वारंट क्रमांक 564 पर दिनांक 11जुलाई 2024 को सटाफ्मय बसना रेन्ज की टीम सहायक परिक्षेत्र अधिकारी रामभाठा अक्षय नंद एवं सहायक परिक्षेत्र अधिकारी बड़ेसाजापाली कांशीराम डड़सेना तथा वनरक्षकों के साथ आरोपी क्रमांक (01) चंद्रकुमार पटेल पिता बंकर पटेल ग्राम

जेवरा, ग्राम पंचायत गणेशपुर तहसील बसना, जिला महासमुन्द (छ.ग.) के घर एवं बाड़ी में तलाशी लिया गया। तलाशी के दौरान बीजा 10 लट्ठा 1.272 घ.मी., 2 नग बल्ली 0.064 घ.मी. कुल 1.336 घ.मी. को जप्त किया गया।

जिसका अनुमानित मूल्य 17574.00 रूपये है ,को जप्त कर पी.ओ.आर. नंबर 14406/20 दिनांक 11 जुलाई 2024 जारी किया गया। वारंट क्रमांक 563 दिनांक 11जुलाई 2024 में आरोपी क्रमांक (02) मुरली पिता सखाराम बंजारो ग्राम जेवरा, ग्राम पंचायत गणेशपुर तहसील बसना, जिला गहासमुन्द (छ.ग.) के घर में तलाशी लिया गया। तलाशी के दौरान साल चिरान 02 नग 0.032 घ.मी. को जप्त किया गया। जिसका अनुमानित मूल्य 2000.00 रूपये है। जप्त कर पी.ओ.आर. नंबर 14406/21 दिनांक 11जुलाई 2024 जारी किया गया, जप्त वनोपज उपभोक्ता डिपो बसना में रखा गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है। सर्च वारंट एवं जप्ती की कार्यवाही में बसना परिक्षेत्राधिकारी एस. आर. निराला के साथ,भरतलाल साहू परिक्षेत्र वनपाल, टिकेश्वर साव वनरक्षक, श्रीमती जगबाई रत्नाकर वनरक्षक, ठाकुराम पटेल वनरक्षक, हेमसागर रत्नाकर वनरक्षक, महेश कुमार ध्रुव वनरक्षक, देवानंद सोनी वनरक्षक एवं वन प्रबंधन समिति के सदस्यों तथा वन सुरक्षा श्रमिको का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त-खबर

साजा (समय दर्शन)। जिला पंचायत सदस्य दुर्ग जितेंद्र साहू को जन्मदिन पर ग्राम बेलतरा समस्त भाजपा कार्यकर्ता ने बधाई दी तथा उनके दीर्घायु होने की कामना की।

शासकीय प्राथमिक शाला बंसुला में एक पेड़ मां के नाम थीम पर हुआ वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला बंसुला में एक पेड़ मां के नाम थीम पर संकुल समन्यवक गोवर्धन डडसेना ,समिति के अध्यक्ष चमेली सागर, भारत साव, घनश्याम पटेल की उपस्थिति में विद्यालय प्रांगण में बृहद वृक्षारोपण किया गया। जिसमें नीम,गुड़हल, जाम,जामुन ,कटहल आदि पौधे लगाए गए ।इस अवसर पर संकुल समन्वयक डडसेना ने सभी से वातावरण को संतुलित करने के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की। इस कार्यक्रम में प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा, अनीता साहू, सीता साहू पुष्पांजलि बगर्ती ,पार्वती साव,पदमा साव, शिवा चौहान एवं विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

चैतराम यादव को पीएचडी की उपाधि

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हेमचंद यादव विश्व विद्यालय, दुर्ग के कला संकाय के अंतर्गत शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के हिन्दी विभाग के शोधार्थी चैतराम यादव ने शोध निर्देशक डॉ. (श्रीमती) बी.एन. जागृत (सहायक प्राध्यापक) के मार्गदर्शन में डॉ. गणेश खरे के उपन्यासों में छत्तीसगढ़ का परिदृश्यष् विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया। इस हेतु उन्हें (पीएचडी) डॉक्टर ऑफफ्लिोसफी की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. गणेश खरे जो राजनांदगांव शहर के प्रसिद्ध साहित्यकार हैं। वे ख्याति लब्ध प्रखर भाषाविद् आचार्य नंददुलारे वाजपेयी के शिष्य थे। डॉ. खरे छत्तीसगढ़ के शिक्षा जगत से जुड़े रहे, इसलिए उनकी पैनी दृष्टि इस अंचल के तमाम क्षेत्रों में रही है, उनका राजनांदगांव शहर से मुक्तिबोध, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, बलदेव प्रसाद मिश्र जैसे दिग्गज साहित्यकारों से नाता रहा है। शोधार्थी द्वारा उनकी रचना पर किया गया। शोध कार्य समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर, पूर्व प्राचार्य (सेवानिवृत) डॉ. केएल टांडेकर, विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय, डा. चंद्रकुमार जैन, डॉ. प्रवीण साहू, डा. बीएन जागृत, रजिस्ट्रार. डॉ. परगनिहा व महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व शोधार्थियों ने बधाई देते हुए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।

मुंशी से डेढ़ लाख की लूट

जांजगीर-चांपा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक राईसमिल के मुंशी से अज्ञात लूटेरों ने डेढ़ लाख रूपये से भरा बैग लूट लिये और फरार हो गये। मामले की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जहां मौहर गांव का रहने वाला दिलीप सिंह शहर के एक राइसमिल के मुंशी का काम करता है। शुक्रवार को वह बैंक से पैसे निकालकर अपनी मोटरसायकल से एफसीआई गोदाम की ओर जा रहा था। इसी दौरान सिटी कोतवाली थाने के पास बाइक सवार बदमाशों ने ओवरटेक किया और फिर 10 रुपये गिरने का झांसा दिया। दिलीप सिंह ने जैसे ही गाड़ी की रफ्तार कम की तो बदमाश उससे रुपयों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।

छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिकारी /कर्मचारी फेडरेशन का प्रांत स्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर (समय दर्शन)। शनिवार 13 जुलाई को छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिकारी/ कर्मचारी फेडरेशन का प्रदेश स्तरीय बैठक छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी भवन सप्रे शाला रायपुर में संपन्न हुआ, जिसमें पंचायत विभाग के करा रोपण अधिकारी , पंचायत सचिव , रोजगार सहायक, जनपद/ जिला संवर्ग के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी बैठक में शामिल हुआ जिसमें फेडरेशन के प्रमुख मांग--- पंचायत विभाग में पदोन्नति का सेटअप तैयार करते हुए रिक्त तक पद पर भर्ती किये जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया संगठन को अधिक सशक्त एवं सुदृह बनाने के लिए फेडरेशन का विस्तार जिला स्तर पर एवं ब्लॉक स्तर पर भी करने का निर्णय लिया गया एवं संभाग स्तरीय बैठक रखने का भी निर्णय लिया गया । फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष तुलसी साहू द्वारा बताया गया कि छत्तीसगढ़ राज्य में पंचायती राज

के तहत सहायक आंतरिक लेखा परीक्षक एवं करारोपण अधिकारी/ पंचायत सचिव / रोजगार सहायक /जिला जनपद संवर्ग के कर्मचारियों द्वारा अपने कर्तव्य का पालन करते हुए राज्य सरकार व केंद्र सरकार के समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का महत्ती भूमिका निभाते हैं किंतु पंचायत संचनालय के अधीन कार्य करने वाले अधिकारियों/ कर्मचारियों का 1965 से अभी तक पदोन्नति नहीं किए गए हैं ,न हीं विभाग में कोई भर्ती अधिनियम है ! कई वर्षों तक विभाग में भर्ती नहीं होने से बहुतो पद रिक्त है ।छत्तीसगढ़ के सभी विभाग में पदोन्नति का सेटअप है जबकि पंचायत विभाग में कोई सेटअप नहीं है , अन्य राज्य के पंचायत विभाग में पदोन्नति का सेटअप है अत: फेडरेशन के एक सूत्रीय मांग पंचायत विभाग में पदोन्नति का सेटअप तैयार करते हुए रिक्त पद पर भर्ती को सरकार तक पहुंचने का आज के बैठक में निर्णय लिया गया । बैठक में प्रमुख रूप से फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष तुलसी साहू, प्रांतीय सचिव टीआर निर्मलकर ,कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष गजेश यदु महेंद्र साहू , उपाध्यक्ष कमलेश मिश्रा लखेश्वर यादव ,कोषाध्यक्ष यशवंत आदिल, महासचिव अमर धनकर सचिन साहू ,कार्यलयीन सचिव कमल साहू अभिनंदन वैष्णव , प्रवक्ता शंभू साहू नितेश वैष्णव, मीडिया प्रभारी हेमंत साहू श्रवण वर्मा ,फेडरेशन के जिला अध्यक्ष गण प्रफुल्ल यादव रायपुर ,खड़ानंद वर्मा बलोदा बाजार ,प्रवीण कौशिक गौरेला, धरम भारद्वाज कोरबा , डी. आर साहू जांजगीर चांपा , निमेष भोईर दुर्ग , रामदुलार साहू राजनांदगांव, राकेश कश्यप दंतेवाड़ा, अरविंद पाठक कोंडागांव ,श्याम बिहारी चौहान जशपुर, जितेंद्र गुप्ता सरगुजा , राजेंद्र उइके मोहला मानपुर, भागवत साहू खैरागढ़, धनेश्वर साहू सारंगढ़ ,अर्जुन कलिहारे मोहल्ला, विनोद ठाकुर मोहला सहित फेडरेशन के सदस्य गण उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त शिक्षक श्यामसुंदर पटेल का संकुल मुख्यालय बाराडोली मे विदाई व सम्मान

बसना(समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक विद्यालय कोदोपाली, संकुल केंद्र-बाराडोली, विकासखण्ड बसना से 30 जून 2024 को सेवा निवृत्त हुए शिक्षक श्याम सुन्दर पटेल का संकुल मुख्यालय बाराडोली समकक्ष मे एक सादे समारोह में विधिवत विदाई के साथ उनका सम्मान किया गया ।

संकुल बाराडोली के समस्त शिक्षक संवर्ग के द्वारा उन्हें शाल, श्रीफ्ल, पुष्पहार एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित कर विदाई दी गई। विदाई समारोह संकुल के सभाकक्ष में मुख्य अतिथि के रूप में श्याम सुंदर पटेल एवं अध्यक्षता संकुल के नोडल प्राचार्य जगदीश जगत विशिष्ट अतिथि के रुप मे प्रधान पाठक राजेंद्र कुमार साहू , नरसिंह खूंटे ,हरिचरण चौधरी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सेवानिवृत्त शिक्षक का जीवन परिचय एवं सम्मान पत्र पढ़ते हुए सफ्लतापूर्वक उद्घोषणा का दायित्व अनिल सिंह साव समन्वयक बाराडोली ने किया और सम्मान पत्र एवं प्रतीक चिन्ह नोडल प्राचार्य जगदीश जगत ने भेंट किया।अतिथियों के द्वारा अपने उदबोधन में कहा कि, सेवानिवृत्त शिक्षक श्याम सुंदर पटेल अपने ज्ञान व अनुभव से सदैव शिक्षा विभाग , समाज व छात्रों को लाभान्वित किया। कुशल व्यवहार के धनी शांत ,सरल ,सहज स्वभाव के धनी श्री पटेल जी ने सभी शिक्षकों के दिल में जगह बना लिए हैं शिक्षा विभाग एवं हम सब के लिये बहुत ही क्षति है। हम सब को असहज महसूस हो रहा है। इनका पूरा शिक्षकीय जीवन का समय शानदार रहा है। कर्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदारी पूर्वक शिक्षकीय कार्यकाल को निर्विवाद रूप से पूर्ण करके आज हम से विदा ले रहें हैं। हम सब इनके उत्तम स्वास्थ्य, सानन्द जीवन एवं दीर्घायु होने की कामना करते हैं। विदाई समारोह के सफ्ल संचालन में संकुल केंद्र बाराडोली के प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक संवर्ग में जानकी जीवन प्रधान, ललित कुमार मिश्रा, अरुण कुमार मिश्रा, रामजी साव, शुभाशीष कानूनगो, समीर साहू, श्रीमती सरस्वती मिश्रा, श्रीमती कामिनी साहू, श्रीमती दीपिका साव, श्रीधर यादव, राजेन्द्र जगत, नरेश प्रधान, मानस रंजन पुरोहित ,राजेश साहू, नवल किशोर पटेल, दिनेश बहादुर पटेल,उमाशंकर चौधरी, ललित कुमार चौधरी, खीरसागर खूंटे, अक्रूर भोई, जगदीश भोई, रुपेश बिशी, प्रसन्न प्रधान ,ठाकुर राम निषाद , गणेश राम बरिहा, भोजराज साहू, नेमेश्वर पटेल , लोकेश कुमार भोई के साथ संकुल के समस्त शिक्षकों का कार्यक्रम के सफ्ल आयोजन में योगदान रहा। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ व्याख्याता ललित कुमार मिश्रा ने किया एवं कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन समन्वयक अनिल सिंह साव ने किया।

महासमुंद के बसना विधान सभा को मिला दो पीएम श्री स्कूल

बसना (समय दर्शन)। प्राचार्य क्षीरोद्र कुमार पुरोहित ने विधायक डॉ संपत अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात कर आत्मानंद स्कूल बसना का चयन पीएम श्री स्कूल में होने की जानकारी दी । एवं उनके सक्रियता के लिए आभार प्रकट किया । उल्लेखनीय है कि इस सत्र में प्रदेश से 52 स्कूलों का चयन इस योजनांतर्गत हुआ है। ऑनलाईन चैलेंज में शामिल 311 स्कूलों में से तय 60 मानकों को पूर्ण करने वाले 52 स्कूलों का चयन केन्द्र सरकार की ओर से किया गया है। इस सूची में बसना विधान सभा को (पिथौरा एवं बसना) दो पीएम श्री स्कूल प्राप्त हुआ है। इन स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को पूर्ण रूप से लागू करते हुए मॉडल स्कूलों में विकसित किया जायेगा। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने अपने विधान सभा क्षेत्र में दो पी एम श्री स्कूल चयन होने पर हर्ष जताया एवं प्राचार्य तथा शिक्षकों बधाई दी और कहा की बसना क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार प्रसार में इन स्कूलों की विशेष भूमिका होगी । समर्पण के साथ काम करने की अपील शिक्षकों से करते हुए हर संभव

सहयोग का आश्वासन दिया

क्या है पीएम श्री स्कूल : प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसे मंत्रिमंडल ने 7 सितंबर, 2022 को प्रधान मंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) नामक एक नई केंद्र प्रायोजित योजना को अनुमोदित किया है। ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को निरूपित करेंगे और समय के साथ उदाहरणपरक स्कूलों के रूप में उभरेंगे तथा पास पड़ोस के अन्य स्कूलों का मार्गदर्शन भी करेंगे। वे एक ऐसे समान, समावेशी और आनंदपूर्ण स्कूल परिवेश में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने में अपने अपने क्षेत्रों की अगुआई करेंगे जो बच्चों की विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं पर ध्यान देता है और उन्हें एनईपी 2020 के विजन के अनुसार अपनी स्वयं की अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाता है।

इस योजना के तहत केंद्र सरकार/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से मौजूदा स्कूलों को मजबूत करके 14500 से अधिक पीएम श्री स्कूलों की स्थापना का प्रावधान है।

क्या सुविधाएं मिलेंगी : आदर्श स्कूल के रूप में विकसित इन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पीएम श्री योजना के अंतर्गत शालाओं को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। पीएम श्री योजना के तहत चयनित शालाओं का अकादमिक एवं अधोसंरचनात्मक सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इन शालाओं में वर्चुअल रियलिटी लैब, अटल टिकरिंग, एआई रोबोटिक्स, गेमीफ्इड लर्निंग के माध्यम से शिक्षा की सुविधा उपलब्ध रहेगी, इसके अलावा इन शालाओं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, इंडोर एवं आऊटडोर स्पोर्ट्स एवं गेम्स की सुविधाओं के साथ-साथ समर कैंप, एडवेंचर स्पोर्ट, कैरियर गाइडेंस एवं काउंसलिंग का लाभ मिलेगा।

थाना परिसर में अब मौजूद रहेंगे बल और बुद्धि के स्वामी हनुमान, नव निर्मित मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा

पाटन (समय दर्शन)। अमलेश्वर थाना परिसर में नव निर्मित हनुमान मंदिर में मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हवन पूजन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मोनू साहू ,समाज सेवी सत्तू कौशल, सरस्वती कौशल, जीतू, केशरी कौशल, उमेश साहू, पवन खंडेलवाल, संजय यदु, शिवाय साहू , दीपक मौर्य, दुलारी साहू, चेतन देवांगन, नरेंद्र त्रिपाठी, फेरहा राम धीवर, लक्ष्मी साहू, प्रकाश कश्यप, सेवा राम साहू, जयप्रकाश सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन

- **हर परिस्थिति में अपने मन की स्थिति को श्रेष्ठ रखना है- ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी**

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के विशाल सभागार में बारिश की रिमझिम फुहारों के मौसम में तन की शीतलता के साथ मन को भी शीतल शांत व शक्तिशाली बनाने के लिए वरिष्ठ राजयोगी शिक्षिका ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी (इन्दौर) के सानिध्य में एक दिवसीय ज्ञान-योग शिविर का आयोजन हुआ । जिसका विषय था कि अब घर जाना है

योग शिविर का शुभारंभ परमात्म पिता की याद में आए हुए अतिथियों व ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी,नवीन अग्रवाल (सीता ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज), सुमन अग्रवाल,सुरेंद्र रुंगटा (समाजसेवी), किरण रुँगटा, ब्रह्माकुमारी रीटा बहन (संचालिका) ब्रह्माकुमारीज दुर्ग, ब्रह्माकुमारी रूपाली बहन, ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा बहन तथा बालोद,अर्जुंदा ,गुंडरदेही ,साजा ,देवकर, धमधा व दुर्ग के सभी शहरी व ग्रामीण अंचल से लगभग 2700 भाई-बहनें इस शिविर में सम्मिलित होकर इसका लाभ लिये । स्वागत भाषण में ब्रह्माकुमारी रीटा बहन ने परमात्मा का अनीता दीदी का आए हुए अतिथियों व भिन्न-भिन्न स्थानों से आये हुए भाई बहनों का अपने मधुर वचनों से स्वागत किया साथ ही अनीता दीदी के साथ रहने का अपना अनुभव सुनाते हुए बताया कि दीदी ने हमें सिखाया कि आदर्श ब्रह्माकुमारी का जीवन क्या होता है? लोगों की सेवा करना सिखाया । हमें

सिखाया जब हम दीदी के साथ सेवा में जाते थे विशिष्ट व्यक्तियों से मिलते थे तो हमें दीदी ने कहा कि रीटा बहन जब हम विशिष्ट व्यक्तियों से मिलते रहते हैं तब आप उन आत्माओं को भगवान की शक्ति दिया करो तो वे आत्माएं परमात्मा के समीप आयेंगी । योग शिविर में आए हुए सभी भाई-बहनों को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने बताया कि जैसा की इस योग-तपस्या शिविर का विषय है अब घर जाना है तो हम सभी को यह ज्ञान तो है कि हम सभी देह नहीं इस देह के माध्यम से कर्म करने वाली चैतन्य आत्माएं हैं जैसा कि इस दुनिया के लिए कहा जाता है यह तेरा है ना मेरा है यह दुनिया रैन बसेरा है तो हम सभी आत्माएं इस सृष्टि रंगमंच पर भिन्न-भिन्न नाम रूप से अपना-अपना पार्ट बजाने के लिए उपस्थित हुए हैं । हम सभी मनुष्य आत्माओं का वास्तविक घर इस पांच तत्वों की दुनिया से के पार परमधाम है । जब हम आत्माएं इस सृष्टि रंगमंच पर आई थी तो यह दुनिया संपूर्ण सुख शांतिमय थी वह हम सभी आत्माएं संपूर्ण सतोप्रधान अवस्था में थी । आगे आपने कहा कि भगवान दाता-विधाता-वरदाता है । वह विधाता विधि के विधान में बंधा हुआ है । भगवान कहते हैं आप एक कदम हिम्मत का बढ़ाओ तो हजार गुना मदद तुम बच्चों को प्राप्त होगा व तुम मेरे समान बंधन मुक्त बन अपने घर चले जाएंगे । हमें अपनी अवस्था को श्रेष्ठ बनाना है क्योंकि जीवन में अंत तक बहुत सारी बातें तो आएंगी ही और परस्थिति तो आएंगी ही कारण हमने देखा तो शक्ति खत्म यदि हमने श्रेष्ठ संकल्प किया समस्या आएगी बातें आएंगी । मुझे इस परिस्थिति में अपने विचार को कैसे रखना है ? अपनी स्थिति को कैसे रखना है व मेरे हाथ में क्या है ? यह देखना है और किसी भी परिस्थितियों में मुझे घबराना नहीं है क्योंकि परमात्मा मेरा साथी है । मुझे हर परिस्थिति में अपने आप को संपन्न व संपूर्ण बनाना है । हर परिस्थिति में अपनी स्थिति को श्रेष्ठ बनाना है

इसके लिए मैं जितना हम अपनी वास्तविक आत्मिक स्वरूप का अभ्यास करेंगे तो हमारी स्थिति श्रेष्ठ बनती जाएगी । कार्यक्रम के समापन सत्र में आये हुए सभी भाई-बहनों को ईश्वरीय वरदान व ईश्वरीय प्रसाद दिया गया व सभी ने श्रेष्ठ व शुभ संकल्प किया कि सभी परिस्थिति को पार करते हुए परमात्मा की याद से हम अपने शुभ व श्रेष्ठ लक्ष्य को अवश्य ही प्राप्त करेंगे । अपनी काव्यात्मक शैली में मंच संचालन करते हुए ब्रह्माकुमारी रुपाली बहन ने इस योग शिविर की शोभा बढ़ा दी ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26